सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

वर्ल्ड अस्थमा डे 2026- अस्थमा कंट्रोल का स्मार्ट .... पेज: 6

सारा अर्जुन की लगी लॉटरी पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 34 | मंगलवार 05 मई 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

स्पाइसजेट और प्रवर्तक अजय को झटका, याचिका खारिज, लगा जुर्माना

-कोर्ट ने 19 जनवरी को 144 करोड़ रुपए जमा करने का दिया था आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट का फैसला सामने आने से विमानन कंपनी से जुड़ा बड़ा विवाद फिर चर्चा में आ गया। बता दें कि कोर्ट ने स्पाइसजेट और उसके प्रवर्तक अजय सिंह की वह याचिका खारिज कर दी है, जिसमें उन्होंने पहले दिए गए आदेश की समीक्षा की मांग की थी। इस आदेश के तहत उन्हें 144 करोड़ रुपए जमा करने को कहा था, जिसे लेकर उन्होंने राहत की गुहार लगाई थी। जानकारी के मुताबिक न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने याचिका को खारिज करते हुए स्पाइसजेट और अजय सिंह पर 50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। कोर्ट ने साफ कहा कि मामला खारिज किया जाता है और पहले दिया गया आदेश लागू रहेगा। बता दें कोर्ट ने 19 जनवरी को स्पाइसजेट को कुल 194 करोड़ रुपए की स्वीकृत देनदारी में से 144 करोड़ रुपए छह सप्ताह के अंदर जमा करने का निर्देश दिया था। बाद में इस समय सीमा को 18 मार्च तक बढ़ा दी थी। बताया जा रहा है कि स्पाइसजेट और अजय सिंह ने पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और कंपनी की खराब वित्तीय स्थिति का हवाला देते हुए इस आदेश पर पुनर्विचार की मांग की थी। उन्होंने कोर्ट को यह भी प्रस्ताव दिया कि नकद राशि जमा करने के बजाय गुरुग्राम स्थित एक व्यावसायिक संपत्ति को गारंटी के तौर पर स्वीकार कर लिया जाए। साथ ही यह भी कहा कि केंद्र सरकार से कुछ सहायता मिलने की उम्मीद है। हालांकि दूसरी ओर कलानिधि मारन और उनकी कंपनी कल एयरवेज ने इस पुनर्विचार याचिका का कड़ा विरोध किया। उनका कहना था कि इसी तरह के तर्क पहले भी सुप्रीम कोर्ट में रखे जा चुके हैं और वहां उन्हें खारिज किया जा चुका है। ऐसे में इस आधार पर दोबारा राहत नहीं दी जानी चाहिए।

बंगाल चुनाव पर रामदेव की प्रतिक्रिया, यह सबक उनके लिए जो सोचते हैं कोई उन्हें हिला नहीं सकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के रुझानों को लेकर योग गुरु बाबा रामदेव ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीजेपी की जीत हो रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उनके योद्धाओं के नेतृत्व में जो बंगाल में हुआ है, वहां अप्रत्याशित है, ऐतिहासिक है। बहुत मायनों में ये सबक है कि हम यहां स्थापित हैं और हमें सत्ता से कोई हिला नहीं सकता है। उन्होंने कहा, वर्चस्ववाद के उन्माद में जो लोग पगलाए हुए थे, उनके लिए ये बंगाल का चुनाव एक बहुत बड़ा सबक है कि अब आपको विजय चाहितए है, तब अंतिम वोटर से लेकर बूथ मैनेजमेंट तक राजनीति की सभी दिशाओं को आपको साधना होगा। जो लोग हिंदू समाज को जाति वर्ग समुदायों में बांटकर एक मजहबी तुष्टिकरण कुचक्र को स्थापित करना चाहते थे उनके लिए भी बड़ा सबक है।

नदी में कार गिरने से 4 लोगों की मौतें

कबीरधाम(एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कवर्धा में देर रात तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर फोक नदी में जा गिरी। इस हादसे में कार सवार 4 युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 2 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। घटना पांडातराई थाना क्षेत्र की है। शुरुआती जानकारी के अनुसार सभी युवक बिरगांव (रायपुर) से पंडरिया में शादी में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान पांडातराई के पास कार का बैलेंस बिगड़ा और पलटते हुए 30 फीट नीचे नदी में जा गिरी। मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने घायलों को बाहर निकला और पुलिस को हादसे की सूचना दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एंबुलेस की मदद से अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। जहां दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है। दोनों घायलों को रायपुर रेफर किया गया है। परिजनों को भी हादसे की सूचना दे दी गई है। वहीं मृतकों के शवों का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेजा गया है। पीएम के बाद परिजनों को शव सौंपा जाएगा।

सड़क पर सोने की अफवाह ने बटोरी भीड़ : वलसाड में हर चमकती चीज़ सोना नहीं निकली

वलसाड (एजेंसी)। गुजरात के वलसाड जिले में हाल ही में अजीबोगरीब घटना देखने को मिली, जहां नारगोल कोस्टल हाइवे पर सड़क किनारे पड़े कुछ चमकदार टुकड़ों को लोग सोना समझ बैठे। दोपहर की तेज धूप में इन टुकड़ों पर जब रोशनी पड़ी, तब वे वाकई सोने की तरह चमकने लगे, जिसने वहां से गुजर रहे लोगों का ध्यान खींचा। देखते ही देखते यह अफवाह बिजली की तरह फैल गई कि सड़क पर खजाना यानी सोना बिखरा पड़ा है।

जैसे ही यह खबर आसपास के गांवों और बस्तियों तक पहुंची, लोग अपना काम छोड़कर सड़क की ओर दौड़ पड़े। विशेषकर महिलाएं और बच्चे बड़ी संख्या में वहां पहुंचे, कोई दुपट्टे में, तब कोई थैली में इन चमकदार टुकड़ों को बटोरने लगा। चिलचिलाती गर्मी और धूप की परवाह किए बिना सड़क पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। हर कोई झुक-झुककर इन टुकड़ों को उठाने की होड़ में था, जैसे उन्हें सचमुच कोई बड़ा खजाना मिल गया हो। इस पूरे घटनाक्रम को किसी ने मोबाइल पर कैद कर लिया और वीडियो सोशल मीडिया पर तुरंत वायरल हो गया, जिससे हर कोई यह देखकर हैरान था कि आखिर सड़क पर क्या गिर गया, जिसे लोग सोना समझ बैठे। हालांकि, सोने की कहानी का सच ज्यादा देर तक छिपा नहीं रह सका। स्थानीय स्तर पर इन टुकड़ों की जांच की गई, तो पता चला कि ये कीमती धातु सोना नहीं, बल्कि साधारण तांबा या पीतल जैसे धातु के टुकड़े थे। जो लोग इन्हें खजाना समझकर खुशी-खुशी बटोर रहे थे, उन्हें बाद में निराशा हाथ लगी। सच्चाई सामने आने से पहले ही बड़ी मात्रा में ये टुकड़े लोग अपने साथ ले जा चुके थे।

ममता और स्टालिन का प्रदर्शन सिर्फ दो दलों की हार नहीं, क्या अब इंडिया गठबंधन टिक पाएगा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। 4 मई को अब तक आए चुनावी नतीजों के बाद 5 राज्यों की चुनावी तस्वीर करीब साफ हो चुकी है। जहां बंगाल में पहली बार बीजेपी सरकार बनाने जा रही है। वहीं तमिलनाडु में अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। बंगाल और तमिलनाडु दोनों ही राज्यों में बदलाव के साथ दो सबसे शक्तिशाली क्षेत्रीय नेताओं को गहरा धक्का लगा है। इन नेताओं की हार का असर आने वाले आम चुनाव और विपक्षी एकता पर पड़ना तय है। बीजेपी पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के चौथे कार्यकाल की उम्मीदों पर पानी फेरती दिख रही है। वहीं तमिलनाडु में स्टालिन अपनी कुर्सी गंवा बैठे हैं और टीवीके प्रमुख थलपति विजय का मुख्यमंत्री बनना तय है।

बात दें कि स्टालिन और ममता दोनों विपक्षी इंडिया गठबंधन के सबसे प्रमुख चेहरों में से हैं। दोनों नेता अब तक अपने-अपने राज्यों में भाजपा के विस्तार को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे। पिछले कुछ चुनावों में कांग्रेस की कई हार के बाद विपक्ष के चेहरे के रूप में राहुल गांधी के नाम पर इंडिया गठबंधन के भीतर ही सवाल थे। वहीं अब ममता बनर्जी और स्टालिन को चुनाव में जो झटका लगा है वह इंडिया गठबंध की स्थिति को और जटिल कर देगा।

2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी अपने दम पर सरकार बनाने से चूकी थी। बीजेपी जितनी सीटों की उम्मीद लगाए बैठी थी उसके मुताबिक सफलता नहीं मिली। साथ ही सवाल उठने लगे कि बीजपी की स्थिति अब कमजोर हो रही है लेकिन आम चुनाव के बाद कई राज्यों में बीजेपी ने जीत हासिल आकलन को गलत साबित किया। 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद बीजेपी ने महाराष्ट्र, हरियाणा, बिहार, दिल्ली और ओडिशा सहित कई राज्यों में अपनी स्थिति मजबूत की है। पश्चिम बंगाल में मिली जीत ने इस दायरे को और भी बढ़ाया है।

आज आए नतीजों में तमिलनाडु में न केवल डीएमके की हार हुई बल्कि सीएम एमके स्टालिन अपनी सीट भी हार गए है। डीएमके ने 2021 में एआईएडीएमके को हराकर सत्ता में वापसी की और 234 में से 133 सीटें जीतीं। लेकिन यह चुनाव तमिलनाडु के राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव लेकर आया है। वहीं बंगाल में 2011 में ममता सत्ता में आईं और उन्होंने लेफ्ट के तीन दशक के शासन का अंत किया। बीजेपी की बढ़ती चुनौती के बावजूद उन्होंने 2016 और 2021 में अपनी स्थिति मजबूत की। लेकिन अब चौथी बार जीत का सपना टूट गया।

तमिलनाडु में लंबे समय से डीएमके और एआईएडीएमके का वर्चस्व रहा लेकिन इस चुनाव में टीवीके के उदय ने कई राजनीतिक पंडितों को चौंका दिया। राजनीतिक विश्लेषक टीवीके की लोकप्रियता में इस उछाल का एक बड़ा कारण विजय की व्यक्तिगत लोकप्रियता को मानते हैं, खासकर युवा और महिला मतदाताओं के बीच। थलपति के नाम से जाने जाने वाले विजय ने तीन दशकों के फिल्मी करियर में अपनी दमदार फैन फॉलोइंग के साथ राजनीति में कदम रखा और अब पहले ही चुनाव के बाद उनका राज्य का अगला सीएम बनना लगभग तया है।

लालू परिवार को राबड़ी आवास खाली करने का अल्टीमेटम : सरकार ने दिया 15 दिन का समय

बेटी रोहिणी ने नोटिस को लालू यादव का अपमान बताया

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में एक बड़ी हलचल सामने आई है, जहाँ सम्राट सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और उनके परिवार को पटना के 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास राबड़ी आवास खाली करने के लिए 15 दिनों का समय दे दिया है। यह वहीं आवास है जहाँ पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव रहते हैं। सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार, सम्राट सरकार ने पहले भी करीब एक साल पहले 25 नवंबर को आवास खाली करने का आदेश दिया था, लेकिन लालू परिवार की ओर से अब तक आवास खाली नहीं किया गया। इसके बाद अब सम्राट सरकार ने सख्त रुख दिखाकर अंतिम चेतावनी दी है। भवन निर्माण विभाग के अधिकारियों द्वारा जारी नोटिसों में राबड़ी देवी के अलावा, हाल ही में चुनाव हार चुके कई पूर्व विधायकों को भी सरकारी बंगले खाली करने को कह दिया गया है। बताया जा रहा है कि लालू परिवार करीब 20 वर्षों से 10 सर्कुलर रोड स्थित आवास में रह रहा था। भवन निर्माण विभाग ने राबड़ी देवी को पहला नोटिस तब जारी किया था जब उन्हें बिहार विधान परिषद के आवासन के लिए पटना के 39 हार्डिंग रोड पर एक नया आवास आवंटित किया गया था। इस घटनाक्रम पर लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस सुशासन बाबू का विकास मॉडल बताकर लालू प्रसाद का अपमान करार दिया और लिखा, घर से निकल सकते हो, बिहार की जनता के दिल से कैसे निकालिएगा। हालांकि, इस पूरे मामले पर अभी तक सरकार या संबंधित विभाग की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है, जिससे राजनीतिक गलियारों में अटकलें और तेज हो गई हैं।

देश के कई राज्यों में आंधी-बारिश का प्रकोप: 4 की मौत, यूपी में 64 जिलों में अलर्ट

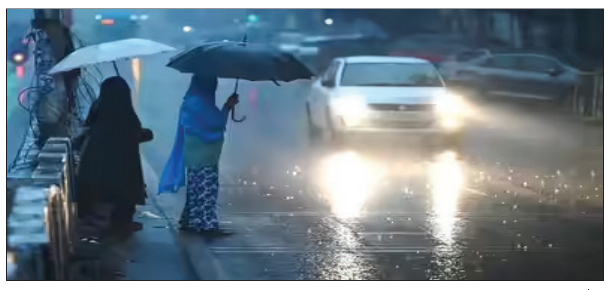

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश के राजस्थान, बिहार, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश सहित करीब 10 राज्यों में आंधी-बारिश और ओलावृष्टि का दौर जारी है। बीते 24 घंटों में खराब मौसम के चलते चार लोगों की जान गई है। इसमें राजस्थान में तीन और उत्तर प्रदेश में एक व्यक्ति शामिल है। जम्मू-कश्मीर में भूस्खलन के कारण एक महत्वपूर्ण सड़क मार्ग बंद हुआ है, जिससे यातायात प्रभावित हुआ है।

उत्तर प्रदेश में खराब मौसम ने जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। लखनऊ में सुबह से तेज हवाएं चल रही हैं राजस्थान के दौसा, कोटपूतली-बहरोड़, अलवर और हनुमानगढ़ जैसे जिलों में आंधी के साथ भारी बारिश और ओलावृष्टि दर्ज की गई, जिससे कई झुग्गी-झोपड़ियां उखड़ गईं और जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे पर पेड़ गिरने से 40 मिनट तक लंबा जाम लगा रहा। हरियाणा के सिरसा, भिवानी और महेंद्रगढ़ में भी तेज बारिश के साथ ओले गिरे, वहीं उत्तराखंड के 11 जिलों में बारिश हुई, जिसमें नैनीताल, देहरादून और अल्मोड़ा में ओलावृष्टि की सूचना है। जम्मू-कश्मीर के लघामा में हुए भूस्खलन के कारण बारामूला-उरी नेशनल हाईवे को बंद करना पड़ा, और यातायात को वैकल्पिक मार्गों से डायवर्ट किया गया है। मौसम विभाग ने राजस्थान के 19 जिलों के लिए ऑरेंज और 8 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है।

आगामी दो दिनों तक भी मौसम का मिजाज ऐसा ही बने रहने का अनुमान है। 5 मई को जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश के साथ बिजली गिरने की आशंका है, जबकि उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड और ओडिशा में आंधी-बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा, असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में कुछ स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। 6 मई को पंजाब, हरियाणा, दिल्ली सहित कई अन्य राज्यों में भी बारिश का अनुमान है।

रुझानों को लेकर शशि थरूर बोले- सीएम को लेकर अभी कोई चर्चा नहीं

–केरल में यूडीएफ का बेहतरीन प्रदर्शन, राज्य में राजनीतिक तौर–तरीकों को बदलना जरुरी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल में शुरुआती रुझानों से पता चलता है कि कांग्रेस 50 से ज्यादा सीटों पर आगे है। पार्टी नेता शशि थरूर ने सोमवार को कहा कि सरकार, नीति और राज्य के पुनरुद्धार में तत्काल बदलाव की जरुरत है। थरूर ने 140 सदस्यीय विधानसभा में संयुक्त लोकतांत्रिक गठबंधन (यूडीएफ) के अच्छे प्रदर्शन पर भरोसा जताया। थरूर ने कहा कि हम बदलाव की पार्टी हैं। हम इस सरकार के दस साल के राजनीतिक तौर-तरीकों को बदलना चाहते हैं और यह बदलाव इतना जरूरी है कि इसे बदलना ही पड़ेगा। मेरे विचार से एक नई तरह की राजनीति बेहद जरुरी है।

सीएम पद को लेकर उन्होंने कहा कि हम अभी इस विषय पर चर्चा नहीं करना चाहते। चुनाव परिणाम आने दीजिए। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे साहब जीतने वाले विधायकों से बात करने के लिए किसी को भेजेंगे। उसके बाद वे अपनी राय देंगे। फिर हाईकमान इसका फैसला करेगा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी शुरूआती रुझानों के मुताबिक केरल में कांग्रेस 61 सीटों पर आगे चल रही है, जबकि सीपीआई (एम) 29 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है। राज्य भर में मतगणना जारी रहने के दौरान, सीपीआई नौ सीटों पर, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) 22 सीटों पर और बीजेपी सिर्फ एक सीट पर आगे है।

थरूर ने केरल को निवेश का स्वर्ग बनाने, रोजगार सृजित करने और पलायन रोकने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि मेरे विचार नई सरकार के लिए भी उपयोगी साबित होंगे, लेकिन मेरा संदेश निश्चित रूप से विकास का होगा, इस भयावह वित्तीय स्थिति को पूरी तरह से बदलना होगा, केरल को एक बार फिर निवेश का स्वर्ग बनाने के लिए जरुरी कार्य करना होगा, ताकि हम विकास कर सकें, अपने लोगों के लिए रोजगार सृजित कर सकें और ऐसी स्थिति को रोक सकें जहां हमारे युवा राज्य छोड़कर जा रहे हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि उनके पास अवसर नहीं हैं।

टीएमसी को अपने भ्रष्टाचार का जवाब मिला : हुमायूं कबीर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के रुझानों पर आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के अध्यक्ष हुमायूं कबीर ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की अपेक्षित हार राज्य में हुए व्यापक भ्रष्टाचार और जनविरोधी फैसलों का सीधा परिणाम है। कबीर ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि जनता ने टीएमसी को आखिरकार जवाब दे दिया है, जो कि टीएमसी को मिलाना चाहिए था। एजेयूपी प्रमुख कबीर ने कहा, मैंने पहले ही अनुमान लगाया था कि भाजपा को टीएमसी से अधिक सीटें मिलेंगी। टीएमसी ने अपने तीन बार के कार्यकाल में सिर्फ लोगों पर अत्याचार किया, जमकर भ्रष्टाचार किया और गलत निर्णय लिए। उन्होंने राज्य में बढ़ती बेरोजगारी, खराब सड़कों, लचर शिक्षा व्यवस्था और अस्पतालों की दयनीय स्थिति का हवाला दिया, जहाँ एक बिस्तर पर तीन-तीन मरीजों का इलाज होता है। एजेयूपी कबीर के अनुसार, इन सभी विफलताओं के कारण ही टीएमसी को सत्ता से बाहर होना पड़ रहा है। भाजपा की संभावित जीत पर उन्होंने कहा कि उन्हें कोई आपत्ति नहीं है, क्योंकि यह बंगाल की जनता का जनादेश है। यदि जनता ने भाजपा को वोट दिया है, तब उनकी जीत स्वाभाविक है। इस बीच, हुमायूं कबीर ने खुद रेजीनगर और नाओदा विधानसभा सीटों पर अपनी जीत का दावा किया, जहाँ वे फिलहाल आगे चल रहे थे। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में दो चरणों में हुए विधानसभा चुनावों के वोटों की गिनती सोमवार सुबह 8 बजे शुरू हुई। सोमवार दोपहर 1:30 बजे तक चुनाव आयोग के रुझानों के अनुसार, 291 सीटों पर भाजपा 194 सीटों पर बढ़त बनाए हुए थी, जबकि सत्तारूढ़ टीएमसी 92 सीटों पर आगे थी। ऑल इंडिया सेकुलर फ्रंट दो और माकपा एक सीट पर बढ़त पर थी, जबकि कांग्रेस राज्य में शून्य पर बनी हुई थी।

लिपुलेख मार्ग से कैलाश मानसरोवर यात्रा पर नेपाल की आपत्ति

– भारत ने क्षेत्रीय दावों को किया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल ने एक बार फिर लिपुलेख दर्रे के माध्यम से प्रस्तावित कैलाश मानसरोवर यात्रा को लेकर कूटनीतिक मोर्चा खोल दिया है। काठमांडू ने भारत और चीन दोनों देशों को संदेश भेजकर इस मार्ग के उपयोग पर अपनी आधिकारिक आपत्ति दर्ज कराई है। नेपाल सरकार का तर्क है कि 1816 की सुगौली संधि के आधार पर लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी उसके संप्रभु क्षेत्र का हिस्सा हैं। यह विवाद ऐसे समय में दोबारा गरमाया है जब भारत ने जून और अगस्त के बीच इस पारंपरिक मार्ग से तीर्थयात्रा आयोजित करने की योजना साझा की है। नेपाल का कहना है कि महाकाली नदी के पूर्व में स्थित ये तमाम इलाके उसके अभिन्न अंग हैं और उसने कूटनीतिक माध्यमों से अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी है।

नेपाल के इन दावों पर भारत के विदेश मंत्रालय ने कड़ी और स्पष्ट प्रतिक्रिया दी है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने दो टूक शब्दों में कहा कि इस मामले पर भारत का रुख हमेशा से सुसंगत और स्पष्ट रहा है। भारत ने स्पष्ट किया कि लिपुलेख दर्रा साल 1954 से ही कैलाश मानसरोवर यात्रा का पारंपरिक मार्ग रहा है और दशकों से श्रद्धालु इसी रास्ते का उपयोग करते आ रहे हैं, इसलिए इसमें कोई भी नया बदलाव या उल्लंघन नहीं हुआ है। भारत ने नेपाल द्वारा पेश किए गए क्षेत्रीय दावों को पूरी तरह से खारिज करते हुए कहा कि ये दावे न तो ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित हैं और न ही इनके पीछे कोई ठोस साक्ष्य है। भारत ने यह भी साफ कर दिया है कि किसी भी देश द्वारा एकतरफा तरीके से सीमा विस्तार दिखाना या दावों को पेश करना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य नहीं है। नेपाल सरकार की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि उसने चीन को भी इस संबंध में सूचित किया है कि लिपुलेख उसके क्षेत्राधिकार में आता है। नेपाल का आग्रह है कि इस विवादित क्षेत्र में सड़क निर्माण, व्यापारिक विस्तार या तीर्थ यात्रा जैसी कोई भी गतिविधि न की जाए। हालांकि, इन तल्खियों के बीच दोनों देशों ने संवाद की गुंजाइश बरकरार रखी है। भारत ने स्पष्ट किया है कि वह नेपाल के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों को महत्व देता है और सीमा से जुड़े सभी लंबित मुद्दों को आपसी बातचीत और कूटनीतिक माध्यमों से सुलझाने के लिए हमेशा तैयार है। वहीं, नेपाल ने भी ऐतिहासिक संधियों और साक्ष्यों के आधार पर समाधान निकालने की प्रतिबद्धता दोहराई है, लेकिन फिलहाल लिपुलेख मार्ग को लेकर दोनों पड़ोसी देशों के बीच कूटनीतिक गतिरोध बना हुआ है।

कूटनीति के मोर्चे पर मई का महीना भारत के लिए अहम, मोदी इस महीने करेंगे चार यूरोपीय देशों की यात्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मई के मध्य यूरोप के चार देशों की अहम यात्रा पर जाएंगे। कूटनीति के मोर्चे पर मई का महीना भारत के लिए अहम होने जा रहा है। इस दौरान इटली, वेटिकन, नॉर्वे, स्वीडन, नीदरलैंड जैसे देशों के साथ ट्रेड, रक्षा सहयोग, यूक्रेन और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष पर चर्चा होने की संभावना है। पीएम मोदी के यूरोप की यात्रा के दौरान संयुक्त अरब अमीरात में भी कुछ देर रुकने की उम्मीद है। इस चार देशों की यात्रा के दौरान द्विपक्षीय संबंधों, व्यापार, तकनीकी सहयोग और रणनीतिक साझेदारी जैसे कई मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है।

ईरान-अमेरिका-इजरायल में तनाव के बीच कूटनीति के मोर्चे पर मई का महीना भारत के लिए अहम होने जा रहा है। अमेरिका के साथ कम होते भरोसे के बाद यूरोपीय देशों भारत की तरफ नजर बना रहे हैं, क्योंकि एशिया में भारत के साथ साझेदारी दोनों ही पक्षों के लिए एक फायदा का सौदा साबित हो सकती है। ट्रंप प्रशासन के बढ़ते दबाव के बीच भारत-यूरोप संबंधों ने लगातार स्थिर प्रगति की है। अब मध्य यूरोप के इन चार देशों का दौरा भी इस प्रगति में एक और कदम माना जा रहा है। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार वह 15-17 मई तक नीदरलैंड, 17 मई को स्वीडन, 17-19 मई तक नॉर्वे और 19-20 मई तक इटली का दौरा करेंगे। इस चार देशों की यात्रा के दौरान द्विपक्षीय संबंधों, व्यापार, तकनीकी सहयोग और रणनीतिक साझेदारी जैसे कई मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। 15 मई को ओस्लो में होने वाला तीसरा भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन, जिसमें भारत, डेनमार्क, आइसलैंड, नॉर्वे, स्वीडन और फिनलैंड के नेता एक साथ जुटेंगे, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यूरोप दौरे का मुख्य एजेंडा है। भारत के नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली के साथ मजबूत राजनयिक, आर्थिक और रणनीतिक संबंध हैं। ये यूरोपीय देश भारत के प्रमुख व्यापारिक साझेदार हैं, नीदरलैंड श्व में सबसे बड़ा, इटली चौथा, सेमीकंडक्टर, जल प्रबंधन, रक्षा, हरित ऊर्जा, नवाचार और जलवायु पर सहयोग बढ़ रहा है। पीएम मोदी की इस यात्रा से ये संबंध और मजबूत होंगे।

जल संकट गहराया: पाकिस्तान टॉप 10 देशों में शामिल, भारत में भी खतरा बढ़ा

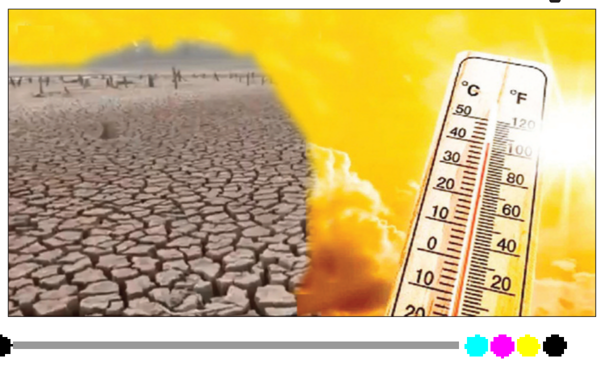

नई दिल्ली(एजेंसी)। दक्षिण एशिया में लगातार बढ़ती गर्मी और तेजी से घटते जल संसाधन गंभीर पर्यावरणीय और सामाजिक संकट की ओर इशारा कर रहे हैं। अप्रैल के अंत तक भारत और पाकिस्तान में रिकॉर्ड तोड़ तापमान दर्ज हुआ हैं, जिससे हीटवेव की स्थिति और अधिक भयावह हो गई। इस भीषण गर्मी ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। कई क्षेत्रों में पानी की मांग तेजी से बढ़ी है, जबकि उपलब्धता लगातार कम हो रही है।

मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि जल संकट अब केवल किसी एक देश या क्षेत्र की समस्या नहीं रहा है, बल्कि यह एक वैश्विक चुनौती बन चुका है। दुनिया के कई देशों में प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता लगातार घट रही है, जो भविष्य के लिए गंभीर संकेत है। इसी कड़ी में पाकिस्तान उन शीर्ष 10 देशों में शामिल हो गया है, जहां प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता बेहद कम स्तर पर पहुंच चुकी है। वहां जल संकट के पीछे कई कारण जिम्मेदार हैं, जैसे अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि, कमजोर जल प्रबंधन प्रणाली और जलवायु परिवर्तन का व्यापक प्रभाव है।

पाकिस्तान की स्थिति इसलिए भी चिंताजनक है, क्योंकि वहां की अधिकांश जल आपूर्ति सिंधु नदी प्रणाली पर निर्भर है। वर्षा के अनियमित पैटर्न और बर्फबारी में कमी ने संकट को बढ़ा दिया है। इसके अलावा कृषि और घरेलू उपयोग में पानी की अत्यधिक खपत भी स्थिति को बिगाड़ रही है।

वहीं भारत में भी स्थिति धीरे-धीरे चिंताजनक होती जा रही है। हालांकि भारत अभी वैश्विक टॉप 10 जल संकटग्रस्त देशों में शामिल नहीं है, लेकिन यहां भी प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता में लगातार गिरावट दर्ज हुई है। बढ़ती जनसंख्या, तेज शहरीकरण, भूजल का अत्यधिक दोहन और जल संरक्षण के प्रति जागरूकता की कमी इसके प्रमुख कारण हैं।

देश के कई राज्यों में भूजल स्तर खतरनाक रूप से नीचे जा चुका है। विशेष रूप से उत्तर भारत और पश्चिम भारत के कई हिस्सों में स्थिति गंभीर बनी हुई है। कई गांवों और शहरों में पानी की कमी रोजमर्रा की समस्या बन चुकी है। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले वर्षों में यह संकट और भी गहरा सकता है।

ममता का किला ढहा, भगवा लहर का उदय

प्रियंका सौरभ

इस जीत के पीछे कई बहुआयामी कारक कार्यरत थे। सबसे पहले, एंटी-इनकंबेंसी लहर ने जोरदार तरीके से अपना प्रभाव दिखाया। ममता बनर्जी सरकार पर भ्रष्टाचार, कटमनी, घुसपैठ और राजनीतिक हिंसा के गंभीर आरोप लगे थे। विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) अभियान के तहत वोटर लिस्ट से 27 लाख कथित फर्जी नाम हटाए गए, जिसने बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे को केंद्र में ला खड़ा किया। मातुआ समुदाय–जो बांग्लादेशी हिंदू शरणार्थियों का सबसे बड़ा वोट बैंक है–ने नागरिकता संशोधन कानून (CAA) के कार्यान्वयन के बाद बीजेपी का पूर्ण समर्थन किया।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में बीजेपी ने 195+ सीटें जीतकर TMC के 15 वर्षीय शासन को उखाड़ फेंका। एंटी-इनकंबेंसी, घुसपैठ, भ्रष्टाचार और CAA ने मातुआ वोट एकजुट किया। ममता की 'अजेय' छवि टूटी, विपक्ष कमजोर। राष्ट्रीय INDIA गठबंधन प्रभावित, पूर्वी भारत में BJP विस्तार। नई सरकार विकास-कानूनव्यवस्था पर फोकस करेगी, परंतु हिंसा रोकना चुनौती। यह जीत लोकतंत्र में परिवर्तन का प्रतीक है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की ऐतिहासिक जीत ने न केवल ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 15 वर्षीय शासन को समाप्त कर दिया, बल्कि पूरे भारतीय राजनीति के परिदृश्य को हमेशा के लिए बदल दिया। रुझानों और अंतिम परिणामों के अनुसार, बीजेपी ने 294 सीटों वाली विधानसभा में 195 से अधिक सीटें हासिल कर स्पष्ट बहुमत प्राप्त कर लिया, जबकि टीएमसी 100 सीटों के आसपास सिमट गई। कांग्रेस और सीपीआई(एम) जैसे पारंपरिक विपक्षी दल क्रमशः 2-3 और 1-2 सीटों तक सीमित रह गए। यह परिणाम 2021 के चुनाव से पूरी तरह उलट हैं, जब टीएमसी ने 213 सीटों के साथ प्रचंड बहुमत हासिल किया था। बीजेपी का वोट शेयर 2016 के मात्र 10% से बढ़कर 2024 के लोकसभा चुनावों में 39% हो चुका था, और अब यह पूर्ण सत्ता में तब्दील हो गया।

इस जीत के पीछे कई बहुआयामी कारक कार्यरत थे। सबसे पहले, एंटी-इनकंबेंसी लहर ने जोरदार तरीके से अपना प्रभाव दिखाया। ममता बनर्जी सरकार पर भ्रष्टाचार, कटमनी, घुसपैठ और राजनीतिक हिंसा के गंभीर आरोप लगे थे। विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) अभियान के तहत वोटर लिस्ट से 27 लाख कथित फर्जी नाम हटाए गए, जिसने बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे को केंद्र में ला खड़ा किया। मातुआ समुदाय–जो बांग्लादेशी हिंदू शरणार्थियों का सबसे बड़ा वोट बैंक है–ने नागरिकता संशोधन कानून (CAA) के कार्यान्वयन के बाद बीजेपी का पूर्ण समर्थन किया। इसके अलावा, कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में TMC कार्यकर्ताओं द्वारा हिंसा, ने गैर-टीएमसी मतदाताओं को एकजुट किया। पहले चरण में 92.88% का रिकॉर्ड मतदान इसी असंतोष का प्रमाण था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के आक्रामक प्रचार ने इस लहर को और तेज किया। मोदी ने 'अंग-बंग-कलिंग' (बंगाल, बिहार, ओडिशा) में बीजेपी शासन का नारा दिया, जबकि शाह ने 152 में से 110 सीटों पर बढ़त का दावा किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हिंदुत्व, विकास और 'बुलडोजर बाबा' की छवि के साथ हिंदू मतदाताओं को लामबंद किया। महिला आरक्षण बिल को केंद्र सरकार की विफलता बताने वाले विपक्षी दावों को बीजेपी ने पलटकर टीएमसी के कुशासन से जोड़ा। उच्च मतदान ने दबे हुए वोटरों–खासकर महिलाओं और युवाओं–को बाहर निकाला, जो टीएमसी के 'खेला होगा' नारे से प्रभावित नहीं हुए।

ममता बनर्जी की 'अजेय दीदी' वाली छवि इस हार के साथ पूरी तरह ध्वस्त हो गई। 2011 से बंगाल पर काबिज टीएमसी को अब विपक्ष की भूमिका निभानी पड़ेगी, जो उसके लिए अपरिचित चुनौती है। पार्टी में आंतरिक कलह की आशंका बढ़ गई है, क्योंकि शुभेंदु अधिकारी जैसे पूर्व TMC नेता बीजेपी में सफल साबित हुए। ममता ने एग्जिट पोल्स को 'बीजेपी का पेड नैरेटिव' करार दिया और केंद्र पर सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग का आरोप लगाया, लेकिन रुझान सरकार गंवाने की ओर स्पष्ट इशारा कर रहे थे। टीएमसी ने चुनाव आयोग पर भी सवाल उठाए, परंतु निष्पक्षता के प्रमाण–जैसे रिकॉर्ड मतदान–ने इन दावों को कमजोर कर दिया। भविष्य में टीएमसी का पुनर्गठन कठिन होगा, क्योंकि उसका जमीनी संगठन भ्रष्टाचार के दागों से ग्रस्त हो चुका है।

राष्ट्रीय स्तर पर इस जीत के मायने गहन हैं। 2024 लोकसभा चुनावों में सीमित बहुमत वाली मोदी 2.0 सरकार को बंगाल ने पूर्ण राज्य सरकार के रूप में मजबूत आधार प्रदान किया। पूर्वी भारत में बीजेपी का विस्तार–असम और बिहार के साथ अब बंगाल–हिंदुत्व और विकास मॉडल की अपार सफलता का प्रमाण है। INDIA गठबंधन कमजोर पड़ जाएगा, क्योंकि टीएमसी का राष्ट्रीय कद घटेगा। उत्तर प्रदेश 2027 और बिहार चुनावों पर इसका सीधा असर पड़ेगा, जहां बीजेपी मजबूत स्थिति में होगी। संघ परिवार की संगठनात्मक क्षमता ने क्षेत्रीय दलों को कड़ी टक्कर दी, जो भविष्य के चुनावी रणनीतियों को प्रभावित करेगी।

विपक्ष की स्थिति अब त्रिशंकु में आ गई है। कांग्रेस और वाम मोर्चा की नगण्य भूमिका 2021 से जारी रही, जो राष्ट्रीय विपक्ष की एकजुटता पर सवाल खड़े करती है। ममता का राजनीतिक करियर अब अनिश्चित है–क्या वे विपक्ष की नेता बनेंगी या पार्टी में नई पीढ़ी उभरेगी? विपक्ष को नई रणनीति अपनानी होगीः या तो कांग्रेस-वाम का मजबूत गठबंधन, या नया क्षेत्रीय मोर्चा। बंगाल अब बीजेपी का गढ़ बन चुका है, जिससे विपक्ष की आवाज राष्ट्रीय पटल पर और मद्धम हो गई।

सामाजिक-आर्थिक दृष्टि से, नई बीजेपी सरकार विकास, कानून-व्यवस्था और घुसपैठ रोक पर फोकस करेगी। मातुआ समुदाय को CAA के लाभ मिलेंगे, जबकि बंगाल की जर्जर अर्थव्यवस्था–जो टीएमसी के कुशासन से पीड़ित थी–को नई दिशा मिल सकती है। हालांकि, राजनीतिक हिंसा को समाप्त करना और बंगाली अस्मिता के साथ भगवा लहर का संतुलन बनाना प्रमुख चुनौतियां होंगी। महिलाओं, युवाओं और अल्पसंख्यकों के मुद्दे–जैसे आरक्षण, रोजगार और शिक्षा–नई सरकार के एजेंडे में रहेंगे। बंगाल की सांस्कृतिक विविधता को बनाए रखते हुए विकास मॉडल लागू करना होगा। भारतीय संस्कृति

भविष्य की संभावनाएं रोचक हैं। बीजेपी को आंतरिक कलह से बचना होगा, जो उसके बंगाल संगठन की पुरानी कमजोरी रही है। विपक्ष को पुनर्जनन की आवश्यकता है–शायद ममता के नेतृत्व में नया आक्रमक रुख या कांग्रेस का पुनरुद्धार। यह चुनाव सिद्ध करता है कि स्थानीय मुद्दे राष्ट्रीय एजेंडे को परिभाषित करते हैं। बंगाल ने साबित कर दिया कि परिवर्तन अपरिहार्य है, और लोकतंत्र में जनता की इच्छा सर्वोपरि होती है। यह जीत न केवल बीजेपी की रणनीतिक विजय है, बल्कि भारतीय राजनीति में एक नए युग की शुरूआत का प्रतीक है।

संपादकीय

किराये की संतान

जीवन की सांझ में बुजुर्गों को अपनों के पास न होने की टीस सालती है। कई बुजुर्गों के बच्चे विदेशों में अपना भविष्य तलाशने गए तो फिर लौटकर नहीं आये। जीवनभर की जमा-पूंजी से बनाये गए बड़े-बड़े घरों में वे सिर्फ दीवारें ताकते हैं। बच्चों के पास जाते भी हैं तो वहां रात-दिन काम में जुटे बच्चों के साथ रहना उन्हें रास नहीं आता। आत्मकेंद्रित होती पीढ़ी भी भारत में रहने वाले माता-पिता की सुध लेने लौटकर तक नहीं आती। ऐसे में साधन-संपन्न बुजुर्ग को कई बड़े शहरों में ऐसी कंपनियां किराये की सतानें उपलब्ध कराती हैं। ये किराये की संतानें बुजुर्गों के साथ सैर पर जाते हैं, लूडो आदि खेल खेलते हैं और उनका एकाकीपन दूर करते हैं। यद्यपि यह समस्या का अंतिम समाधान तो नहीं है लेकिन कुछ समय के लिए वे राहत महसूस करते हैं। दरअसल, बुजुर्गों के जीवन में अंदर से खालीपन इतना बढ़ गया है जिसे भरने के लिए वे किराये की संतानों की ओर उन्मुख होते हैं। कई कंपनियां बुजुर्गों को केयर का पैकेज देती हैं। वे ऐसे अटेंडेंट उपलब्ध कराती हैं जो बुजुर्गों के साथ बैठकर टीवी देखते हैं, ताश खेलते हैं, दिन-भर बातें करते हैं। कंपनियों की यह सुविधा सिर्फ शहरों तक सीमित नहीं रह गई बल्कि गांवों तक लोग इन्हें अनुबंधित कर रहे हैं। हालांकि, खून के रिश्तों का कोई विकल्प नहीं हो सकता है, लेकिन तात्कालिक तौर पर वे इनकी उपस्थिति में कुछ सुकून हासिल कर सकते हैं। हालांकि, ऐसे दौर में जब उम्र-दराज लोगों के आय के स्रोत सिमटने लगते हैं और शरीर भी साथ नहीं देता तो बहुत से लोगों के सामने किराये की संतान का बोझ उठाना भी मुश्किल होता है। खासकर निजी क्षेत्र के सेवानिवृत्ति कर्मचारियों के लिए जिनकी पेंशन भी मुट्ठी में सिमट जाती है। विकसित देशों में सेवानिवृत्त लोगों के लिए तमाम कल्याणकारी योजनाएं लागू रहती हैं। वे अपनी नौकरी के दौरान पर्याप्त आयकर देते हैं। फिर सेवानिवृत्ति पर सरकारें उनकी देखभाल व मेडिकल सुविधाओं का दायित्व निभाती हैं। भारत में कथित लोककल्याणकारी सरकारें भरपूर आयकर वसूलने के बाद भी जिंदगी की सांझ में बुजुर्गों को उनके हाल पर छोड़ देती है। अपने भी गांठ का धन मजबूत होने पर ही अपने साथ निभाते हैं। ऐसे में बुजुर्गों व वृद्धों का जीवन अवसादमय हो जाता है। लगातार महंगी होती चिकित्सा सुविधाएं और आय के स्रोतों का संकुचन उन्हें भविष्य के भय से भर देता है। वास्तव में बुजुर्गों व वृद्धों को जीवन की सच्चाई को स्वीकार करते हुए इसका मुकाबला करने को तैयार रहना चाहिए। शारीरिक सक्रियता, योग, ध्यान, प्राणायाम व सत्संग उनके लिए मददगार होता है। अक्सर सोशल मीडिया पर चर्चा की जाती है कि यदि अनाथ आश्रमों के बच्चों को ओल्ड ऐज होम के बुजुर्गों के साथ रखा जाए तो दोनों की समस्या हल हो सकती है। एक ओर बच्चों को जहां अभिभावक मिल सकते हैं, वहीं बुजुर्गों को बच्चे मिल सकते हैं। गुणवत्ता वाले सुविधा-संपन्न वृद्धाश्रमों को बनाने के लिए सरकार के स्तर पर बड़े प्रयास करने की जरूरत है।

चिंतन-मनन

अपना दृष्टिकोण

एक कन्या ने अपने पिता से कहा, मैं किसी पुरातत्वविद् से विवाह करना चाहती हूं। पिता ने पूछा, क्यों? कन्या बोली, पिताजी! पुरातत्वविद् ही एक ऐसा व्यक्ति होता है जो पुरानी चीजों को ज्यादा मूल्य देता है। मैं भी ज्यों-ज्यों पुरानी होती जाऊंगी, बूढ़ी होती जाऊंगी, मेरा मूल्य भी बढ़ता जाएगा। वह मेरे से नफरत भी नहीं करेगा। पुरातत्वविद् यह नहीं देखता कि वस्तु कितनी सुन्दर है, कितनी असुन्दर है। वह इतना देखता है कि वस्तु कितनी पुरानी है। यह उसके मूल्यांकन की दृष्टि होती है।

कहने का अर्थ यह कि मूल्यांकन का अपना-अपना दृष्टिकोण होता है। मूल्यांकन का हमारा भी एक दृष्टिकोण है। अध्यात्म की साधना करने वाले व्यक्ति का अपना एक दृष्टिकोण होता है मूल्यांकन का और वह उसका स्वयं का दृष्टिकोण होता है, किसी से उधार लिया हुआ नहीं। उसका दृष्टिकोण बदले, चरित्र बदले। वह पुराना ही न रहे, नया बने। पुरानेपन का आग्रह छूटे। साधना में पुरातत्वविद् की दृष्टि काम नहीं देती। वहां नयेपन का आयाम खुलता है और सदा नया बना रहने की आकांक्षा बनी रहती है।

प्रत्येक समझदार आदमी का प्रयत्न सप्रयोजन होता है। ध्यान की साधना करने वाले व्यक्ति का साध्य है- रूपान्तरण दृष्टि का रूपान्तरण, चरित्र का रूपान्तरण। अहं को अर्हम् में बदलना। अहं और अर्हम् में केवल एक मात्रा का अन्तर है। साधक अहं को छोड़कर अर्हम् बनना चाहता है। एक मात्रा का अर्जन करना है। अहम् पर ऊर्ध्व र लगे, ऐसा प्रयत्न करना है। तब साधना सफल हो जाती है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

अमेरिका में महंगाई और बेघर होते लोग

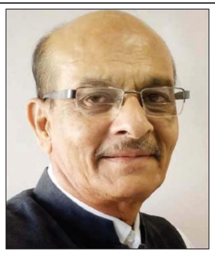

सनत जैन

विकास के बीच गहराती असमानता का संकट दुनिया की सबसे विकसित अर्थव्यवस्थाओं में गिने जाने वाले अमेरिका में बेघर लोगों की बढ़ती संख्या एक गहरी सामाजिक और आर्थिक विडंबना को उजागर करती है। तकनीकी प्रगति, उच्च आय और वैश्विक प्रभाव के बावजूद, देश का एक बड़ा वर्ग आज भी बुनियादी जरूरतों छत, भोजन और स्वास्थ्य से वंचित है। यह स्थिति केवल गरीबी का नहीं, बल्कि आर्थिक असमानता के बढ़ते अंतर का प्रत्यक्ष प्रमाण है। हाल के वर्षों में बेघर होना (होमलेसनेस) की समस्या तेजी से बढ़ी है। यह राजनीतिक जुमले नहीं हैं, जिसे एक कान से सुनकर दूसरे कान से निकाल दिया जाए। बल्कि यू.एस. डिपार्टमेंट ऑफ हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट के आंकड़े हैं जो बताते हैं, कि लाखों लोग स्थायी आवास से वंचित हैं। इन बेघर इंसानों में बड़ी संख्या कामकाजी वर्ग की भी है। यह तथ्य विशेष रूप से चिंताजनक है कि रोजगार होने के बावजूद लोग घर नहीं ले पा रहे हैं। इसका मुख्य कारण आवास की आसमान छूती कीमतें और स्थिर या सीमित वेतन है। कुल मिलाकर महंगाई की मार अब बड़े स्तर पर भी देखने को मिलने लगी है। लॉस एंजिल्स, सैन फ्रांसिस्को और न्यूयॉर्क सिटी जैसे बड़े शहरों में स्थिति सबसे अधिक गंभीर है। यहां सड़कों, पुलों के नीचे, टेंट कॉलोनियों और अस्थायी शिविरों में रहने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इन महानगरों में किराया इतना अधिक हो चुका है कि न्यूनतम वेतन पाने वाला व्यक्ति एक साधारण घर का खर्च भी नहीं उठा सकता। वैश्विक मंदी के इस दौर में बढ़ती महंगाई इस संकट का प्रमुख कारण है, लेकिन इसके पीछे भी कई परस्पर कारण जुड़ते हैं। इनमें स्थिर आय, महंगी स्वास्थ्य सेवाएं, मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं और नशे की बढ़ती प्रवृत्ति को भी शामिल किया गया है। इन कारणों ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। कोविड-19 महामारी ने इस समस्या को और गहरा कर दिया, जब लाखों लोग बेरोजगार हो गए और उनकी आर्थिक सुरक्षा कमजोर पड़ गई। हालात को और चुनौतीपूर्ण बनाने में वैश्विक परिस्थितियों की भी भूमिका है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के मुख्य अर्थशास्त्री पियरे-ओलिवियर गोरिन्शास ने चेतावनी दी है कि यदि अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष लंबा खिंचता है, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ सकता है। तेल की कीमतों में वृद्धि और महंगाई में उछाल से आर्थिक वृद्धि दर घटकर लगभग 2 फीसद तक पहुंच सकती है, जो वैश्विक मंदी का सबसे बड़ा संकेत माना जाता है। ईरान के खिलाफ इजरायल के साथ मिलकर युद्ध शुरू करते हुए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 'छोटी और निर्णायक' लड़ाई बताया था, लेकिन वास्तविकता कहीं अधिक जटिल साबित हो रही है। युद्ध, महंगाई और आर्थिक अनिश्चितता का सीधा असर आम नागरिकों, खासकर कमजोर वर्गों पर पड़ता है।

यह कौन नहीं जानता कि बेघर लोगों का जीवन अत्यंत कठिन और असुरक्षित होता है। उन्हें खुले आसमान के नीचे रहना पड़ता है, जहां सुरक्षा, स्वच्छता और स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव होता है। कई लोग अस्थायी आश्रयों पर निर्भर रहते हैं, लेकिन वहां भी सीमित जगह और संसाधनों के कारण सभी को सुविधा नहीं मिल पाती। सरकार और सामाजिक संस्थाएं इस समस्या के समाधान के लिए प्रयासरत हैं, लेकिन चुनौतियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। इस हालात में केवल अस्थायी राहत उपाय पर्याप्त नहीं हैं। सस्ती आवास योजनाएं, रोजगार के बेहतर अवसर, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और मानसिक स्वास्थ्य समर्थन को मजबूत करना आवश्यक है। अमेरिका का यह परिदृश्य एक व्यापक संदेश देता है, केवल आर्थिक विकास किसी समाज की समृद्धि का मापदंड नहीं हो सकता। जब तक विकास के लाभ समाज के सभी वर्गों तक समान रूप से नहीं पहुंचते, तब तक असमानता की खाई गहराती रहेगी। बेघर लोगों की बढ़ती संख्या इस बात का स्पष्ट संकेत है कि दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को अब अपने विकास मॉडल पर पुनर्विचार करना होगा। युद्ध की भाषा को त्यागकर सभी को साथ लेकर आगे बढ़ना होगा। अन्यथा, 'अमेरिकन ड्रीम' केवल एक सपना बनकर रह जाएगा, जिसे हकीकत में बदलने का अवसर हर नागरिक को

अस्थमा की वैश्विक त्रासदीः सबसे ज़्यादा भारत में दुनिया की 46प्र. मौतें

दिलीप कुमार पाठक

शहर की भागती भीड़ में अगर आप किसी चौराहे पर खड़े होकर गौर करें, तो आपको हर पांचवें-छठे बच्चे के कंधे पर लटके स्कूल बैग के किनारे से एक प्लास्टिक का इनहेलर झांकता मिल जाएगा। यह आज की वह कड़वी हकीकत है जिसे हम विकास की चकाचौंध में अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। हमने आलीशान हाईवे और चमकते एक्सप्रेस-वे तो बना लिए, हाथ में 5जी मोबाइल भी थाम लिया, लेकिन उसी हाथ में हमारे बच्चों के लिए नेबुलाइजर की पाइपें भी थमा दीं। हम विकास की ऐसी दौड़ में शामिल हो गए हैं जहां बैंक बैलेंस तो बढ़ रहा है, लेकिन फेफड़ों की उम्र घट रही है।

आज विश्व अस्थमा दिवस पर जब दुनिया इलाज की पहुंच की बात कर रही है, तो हमें यह पूछना होगा कि क्या हम वाकई बीमारी का इलाज ढूंढ रहे हैं या उस जड़ को ही खाद-पानी दे रहे हैं जो इस बीमारी को पैदा कर रही है?अस्थमा अब केवल जेनेटिक या पुरानी बीमारी नहीं रह गई है। यह विशुद्ध रूप से एक इकोलॉजिकल क्राइम यानी पर्यावरण के खिलाफ किए गए अपराध का नतीजा है। भारत की हवा में जो जहर घुल चुका है, वह सीधे हमारे फेफड़ों को नुकसान पहुंचा रहा है। प्रदूषण की बात चलते ही हमारी सुई अक्सर गाड़ियों के धुएं पर टिक जाती है, लेकिन हम उस मौसमी कहर को कैसे भूल सकते हैं जो उत्तर भारत के एक बड़े हिस्से का दम घोंट देता है? खेतों में जलती पराली ने अस्थमा के संकट को एक भयावह मोड़ दे दिया है। जब किसान भाई मजबूरन खेतों में आग लगाते हैं, तो वह काला धुआं सरहदों को नहीं पहचानता। वह धुआं स्मॉग बनकर हमारे घरों के ड्राइंग रूम तक घुस आता है, और तब सांस के मरीजों के लिए हर एक पल मौत से लड़ने जैसा होता है। विडंबना देखिए कि जिस मिट्टी से हमें अन्न मिलता है, उसी मिट्टी के ऊपर जलती आग हमारे मासूमों के फेफड़ों को झुलसा रही है। अगर आंकड़े देखें तो भारत में करीब 3 करोड़ से ज्यादा लोग अस्थमा से जूझ रहे हैं। सबसे भयावह तथ्य यह है कि दुनिया भर में अस्थमा से होने वाली मौतों में लगभग 46 प्रतिशत मौतें अकेले भारत में होती हैं। भारत में अस्थमा मरीजों की तादाद उतनी बड़ी समस्या नहीं है, जितनी कि उनसे होने वाली मौतों का आंकड़ा, जो दुनिया में सबसे ज्यादा है।

यह आंकड़ा डराने वाला कम और शर्मिंदा करने वाला ज्यादा है। यह बताता है कि हमारे यहां या तो बीमारी की पहचान बहुत देर से होती है, या फिर इलाज इतना महंगा और जटिल है कि आम आदमी की पहुंच से बाहर है। अस्थमा के साथ सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि इसके साथ एक सामाजिक कलंक जुड़ा है। आज भी कई माता-पिता यह स्वीकार करने को तैयार नहीं होते कि उनके बच्चे को दमा है। उन्हें लगता है कि इनहेलर की लत लग जाएगी। जबकि मेडिकल साइंस कहता है कि इनहेलर ही सबसे सटीक इलाज है क्योंकि यह सीधे प्रभावित नली पर काम करता है। दवाइयों की गोलियां पूरे शरीर में घूमकर असर करती हैं, जबकि इनहेलर सीधे फेफड़ों पर निशाना साधता है। समाज की इसी नासमझी और इलाज के डर ने इस बीमारी को घर-घर में घातक बना दिया है। प्रदूषण की मार केवल बाहर ही नहीं है, हमारे घरों के भीतर भी है। अगरबत्ती का धुआं, बंद कमरों की नमी और रसोई से निकलता धुआं ये सब अस्थमा के मरीजों के लिए साइलेंट किलर का काम करते हैं। इसके ऊपर से बढ़ती गर्मी और हीटवेव ने इस संकट को दोगुना कर दिया है। जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, हवा में ओजोन का स्तर और धूल के कण बढ़ते हैं, जो सांस की नलियों में सूजन पैदा कर देते हैं। अब समय केवल जागरूकता का नहीं, बल्कि जवाबदेही का है।

सरकार को पराली प्रबंधन के ऐसे विकल्प देने होंगे जो किसान की जेब पर भारी न पड़ें, और सड़कों की धूल के लिए सख्त नियम बनाने होंगे। लेकिन क्या सिर्फ कानून काफी हैं? नागरिक के तौर पर हमें सोचना होगा कि हम सिर्फ एसी चलाकर गर्मी से तो बच रहे हैं, पर बाहर की हवा को और जहरीला नहीं बना रहे? क्या हम कूड़ा जलाने या बेवजह गाड़ियां दौड़ाने से पहले अपनी अगली पीढ़ी के फेफड़ों का ख्याल कर रहे हैं? हमें समझना होगा कि अस्थमा का इलाज सिर्फ महंगी दवाओं में नहीं है, बल्कि उस हवा में है जिसे हम और आप साझा करते हैं। यदि आज हमने अपनी जीवनशैली और पर्यावरण को लेकर सख्त कदम नहीं उठाए, तो आने वाली नस्लें हमें माफ नहीं करेंगी। दवाएं तो शायद मिल जाएं, लेकिन कुदरती और खुली सांसों का कोई विकल्प नहीं है। आखिर हमारी तरक्की का क्या मतलब, अगर वह हमें खुली हवा में सुकून से सांस लेने के लायक भी न छोड़े?

(लेखक पत्रकार हैं)

राजीव गोयल के आवास पर भाजपा कार्यकताओं ने मनाई जीत की खुशी

ढ़वारसी/अमरोहा (सब का सपना):- सोमवार को आदमपुर मंडल अध्यक्ष राजीव गोयल के ढवारसी कैंप कार्यालय पर पश्चिम बंगाल और आसाम में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत पर जश्न मनाया गया। इस अवसर पर मंडल महामंत्री हरद्वारी सिंह खड़कवंशी, बूथ अध्यक्ष अंकित सागर, बूथ अध्यक्ष दिनेश कुमार, करनवीर सिंह नेताजी, भाजपा युवा नेता संजय सागर, मंडल मंत्री अमरपाल सिंह खड़कवंशी सहित कई भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।राजीव गोयल

ने कहा कि यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा की नीतियों और कार्यक्रमों की जीत है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकताओं की मेहनत और समर्पण से ही यह संभव हो पाया है।

इस अवसर पर उपस्थित कार्यकताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी और आगामी चुनावों के लिए तैयार रहने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि भाजपा की यह जीत देश के विकास और उन्नति के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

भाजपा कार्यकताओं ने कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आगे भी पार्टी के लिए काम करते रहेंगे और देश को मजबूत बनाने में अपना योगदान देंगे।

जनगणना 2026 में ड्यूटी से माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को किया जाए कार्यमुक्त

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद अमरोहा जनगणना-2026 के कार्य में जनपद अमरोहा के समस्त माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों एवं प्रधानाचार्यों को ड्यूटी सौंपी गई है। ट्रेनिंग का कार्य भी सकुशल चल रहा है, लेकिन इस फैसले से विद्यालयों में पठन-पाठन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।1 अप्रैल से नए सत्र की शुरूआत के साथ ही प्रतियोगी परीक्षाएं विद्यालय परिसरों में संचालित हो रही हैं। दूसरे स्कूलों के शिक्षक परीक्षा केंद्रों पर ड्यूटी दे रहे हैं। अप्रैल में जनगणना ट्रेनिंग के कारण स्कूल बाधित हुए, मई में जूनियर इंजीनियर सिविल की मेन्स

परीक्षा और 13 से 20 मई तक डीएलएड परीक्षा के चलते विद्यालय पूर्णतः बंद रहेंगे। इन दिनों शिक्षकों की कमी से पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है।प्रधानाचार्यों को भी जनगणना ड्यूटी में लगाए जाने से विद्यालय प्रबंधन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। कलेक्ट्रेट और जूम मीटिंग में इस मुद्दे पर चर्चा हो चुकी है, जिसमें ड्यूटी हटाने का आश्वासन मिला था, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। प्रधानाचार्य मानते हैं कि यदि वे विद्यालय में उपस्थित रहेंगे तो स्टाफ के साथ व्यवस्था बनाए रखते हुए शैक्षणिक कार्यों का बेहतर निष्पादन कर सकेंगे।बार-बार जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय से अनुपस्थित प्रधानाचार्यों की सूची आने से उनमें रोष और असुरक्षा का माहौल है। अभिभावक व समाज में राजकीय व अशासकीय विद्यालयों की छवि खराब हो रही है। 'स्कूल चलो अभियान' मात्र नारा बनकर रह गया है।प्रधानाचार्यों ने प्रशासन से अपील की है कि जनगणना-2026 की ड्यूटी से माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को तत्काल कार्यमुक्त किया जाए, ताकि विद्यालयों का शैक्षणिक वातावरण सुधर सके।

अमरोहा में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

अमरोहा (सब का सपना):- जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (DLSA), अमरोहा द्वारा कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में एक विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम डीएलएसए के सचिव/न्यायाधीश अभिषेक कुमार व्यास के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ।

शिविर का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, अनुच्छेद 15, अनुच्छेद 19 एवं अनुच्छेद 21 के अंतर्गत प्राप्त मौलिक अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें निःशुल्क विधिक सेवाओं से जोड़ना था। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों द्वारा छात्राओं को मौलिक अधिकार, निःशुल्क विधिक

सहायता योजना, महिला एवं बाल संरक्षण कानूनों तथा विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर लोक अदालत की प्रक्रिया, उसकी सरलता, त्वरित न्याय प्रणाली एवं कम खर्च में विवाद निस्तारण के लाभों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने बताया कि लोक अदालत आम जनता के लिए एक सुलभ एवं प्रभावी माध्यम है, जिसके माध्यम से लंबित मामलों का शीघ्र समाधान संभव है। साथ ही, समस्या एवं समाधान विषय पर समूह गतिविधि भी आयोजित की गई, जिसमें छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। शिविर में लगभग 55 छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता करते हुए विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञों द्वारा संतोषजनक उत्तर दिया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की वार्डन ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन छात्रों के समग्र विकास में सहायक होते हैं और उन्हें जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करते हैं। इस अवसर पर कुलदीप सिंह, जयदेव सिंह, महेश सिंह सहित अन्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

मंडी धनौरा में तेज हवाओं के चलते जर्जर पोल गिरा

एक युवक घायल,विभाग पर लापरवाही का आरोप

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा क्षेत्र के गांव में तेज हवाओं के चलते एक जर्जर पोल अचानक टूट कर कटरा गाड़ी पर गिर गया। जिससे गाड़ी पर सवार एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना के बाद ग्रामीणों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है उन्होंने कहा है कि ऐसे जर्जर खभों की शिकायत विभाग को कई बार कर दी गई है लेकिन विभाग के अधिकारी इस और कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं।

बता दें कि पूरा मामला मंडी धनौरा क्षेत्र के गांव शहजादपुर में सोमवार सुबह एक बड़ा हादसा टल गया। तेज हवा के कारण एक जर्जर बिजली का पोल रास्ते से गुजर रही कटरा गाड़ी पर गिर गया, जिससे उस पर सवार एक नौकर गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है। मामले में प्राप्त जानकारी के मुताबिक शहजादपुर निवासी किसान हितेश सुबह करीब नौ बजे अपने नौकर जगदीश कुमार (झारखंड निवासी) के साथ बुग्गी पर सवार होकर खेत से पशुओं का चारा लेने जा रहे थे।गांव से लगभग 100 मीटर दूर फंदेड़ी मार्ग पर पहुंचते ही, तेज हवा के झोंके से किनारे खड़ा बिजली का खंभा अचानक उखड़कर बुग्गी पर जा गिरा। टक्कर इतनी जोरदार थी कि खंभा बीच से दो हिस्सों में टूट गया। क्षेत्र में रात से बारिश भी हो रही थी।हादसे में नौकर जगदीश के सिर में गंभीर चोटें आई हैं, जबकि किसान हितेश को हल्की चोटें लगीं। गनीमत रही कि उस समय लाइन में विद्युत आपूर्ति बाधित थी, जिससे बड़ा जानी नुकसान टल गया। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत डायल 108 और स्थानीय पुलिस को सूचना दी। सरकारी एम्बुलेंस की मदद से घायल जगदीश को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) धनौरा में भर्ती कराया गया है।भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के जिला प्रवक्ता फूलवस सिंह और अन्य ग्रामीणों ने बिजली विभाग के खिलाफ कड़ा रोष व्यक्त किया। किसान हितेश ने बताया कि उन्होंने जर्जर खंभों की शिकायत पहले भी विभाग से की थी, लेकिन केवल एक खंभा बदला गया और बाकी को छोड़ दिया गया।इस दौरान फूलवस सिंह, सौवीर सिंह, बचन सिंह, जयपाल सिंह (भाकियू) सहित जितेंद्र सिंह, नरेंद्र सिंह, राजवीर सिंह, जागेश, कपिल और संजीव समेत दर्जनों ग्रामीण और भाकियू टिकैत के कार्यकताओं ने नाराजगी जताई है।वहीं, मामले में एसडीओ राजन कुमार का कहना है कि यह प्रकरण फिलहाल उनके संज्ञान में नहीं है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जांच कराकर उचित कार्रवाई की जाएगी।

गजरौला क्षेत्र में घर में घुसकर नाबालिक से दुष्कर्म का मामला, आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला कोतवाली क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की से घर में घुसकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि बीते शनिवार को दो युवकों ने घर में घुसकर इस घटना को अंजाम दिया। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और उसकी तलाश में जुटी हुई है।

बता दें कि मामले में प्राप्त जानकारी के मुताबिक घटना उस समय हुई जब 12 वर्षीय पीड़िता के माता-पिता

घर से बाहर गए हुए थे। आरोप है कि गांव के दो युवक उनके घर में घुस गए। इनमें से एक युवक तमंचा लेकर गेट पर रखवाली के लिए खड़ा हो गया,जबकि दूसरे ने किशोरी को कमरे में बंद कर उसके साथ दुष्कर्म किया।पीड़िता के मासूम भाइयों ने आरोपियों को वारदात को अंजाम देते हुए देख लिया था। दोपहर बाद जब किशोरी के माता-पिता घर लौटे, तो पीड़िता ने उन्हें अपने साथ हुई आपबीती बताई।रविवार सुबह पीड़िता के माता-पिता गजरौला थाने पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए तहरीर दी। गजरौला इंस्पेक्टर मनोज कुमार ने बताया कि आरोपी जुबैर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है।

रजबपुर नेशनल हाईवे 9 पर डिवाइडर से टकराई कार, अनियंत्रित होकर पलटी

रजबपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के रजबपुर थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे 9 पर रविवार देर रात एक सड़क हादसा हो गया जिसमें दिल्ली से मुरादाबाद की ओर जा रही एक कार रजबपुर बाईपास के पास अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर पलट गई। इस घटना से हाईवे पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

बता दें कि प्रत्यक्षदर्शियों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, कार तेज रफ्तार में थी और अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। दुर्घटना के कारण कुछ देर के लिए हाईवे पर यातायात भी प्रभावित हुआ। घटना की सूचना मिलते ही नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ठलअक) की टीम मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हाइवे चौकी प्रभारी लोकेंद्र भाटी ने बताया कि पुलिस टीम भी तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया। उन्होंने पुष्टि की कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है।फिलहाल, हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। शुरूआती जांच में यह सामने आया है कि वाहन के अनियंत्रित होने के कारण ही यह दुर्घटना हुई।

पुलिस कार्यालय अमरोहा में की गई समीक्षा बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस कार्यालय अमरोहा में पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव द्वारा प्रभारी मॉनिटरिंग सेल, कोर्ट मुहर्रिर, सहायक पैरोकार, डाक मुंशी, सम्मन सेल एवं कोर्ट पैरोकार के साथ एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान न्यायालय से संबंधित लंबित प्रकरणों की गहन समीक्षा करते हुए प्रभावी एवं समयबद्ध पैरवी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक द्वारा निर्देशित किया

गया कि अभियोगों में साक्ष्यों का सुदृढ़ संकलन, गवाहों की समय पर उपस्थिति तथा न्यायालय में प्रकरणों की मजबूत पैरवी सुनिश्चित की जाए, जिससे दोषियों को शीघ्र सजा दिलाई जा सके। इसके अतिरिक्त सम्मन/वारंट की त्वरित एवं शत-प्रतिशत तामील, डाक के समयबद्ध निस्तारण तथा मॉनिटरिंग सेल द्वारा प्रकरणों की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि न्यायालयी कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी तथा गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

मंडी धनौरा में भाकियू टिकैत की मासिक बैठक का आयोजन, प्रमुख समस्याओं पर चर्चा

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा ब्लॉक परिसर में भारतीय किसान यूनियन टिकैट की मासिक बैठक का आयोजन कराया गया। जिसमें बैठक में मौजूद किसानों ने अपनी मुख्य समस्याओं को लेकर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान एसडीएम धनौरा शैलेश कुमार दुबे संबंधित अधिकारियों के साथ किसानों के बीच पहुंचे और किसानों की मांगों पर त्वरित कार्यवाही करने का आश्वासन दिया।

बता दें कि सोमवार को आयोजित इस पंचायत में बिजली विभाग से संबंधित शिकायतें प्रमुख रहीं। किसानों ने स्मार्ट मीटर लगाए जाने का विरोध किया। एसडीएम ने किसानों के हितों को देखते हुए स्मार्ट मीटर लगाने पर तत्काल रोक लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फिलहाल कोई नया मीटर नहीं लगाया जाएगा। इसके अतिरिक्त, बिजली से जुड़ी अन्य समस्याओं का भी मौके पर ही विभागीय अधिकारियों द्वारा निस्तारण कराया गया।एसडीएम शैलेश कुमार दुबे ने किसानों को आश्वस्त किया कि शेष जटिल समस्याओं के समाधान के

लिए 7 मई 2026 को उनकी अध्यक्षता में एक विशेष बैठक बुलाई गई है। इस महापंचायत में जिला सहकारी बैंक की समस्याओं पर छउ्द से वार्ता होगी। गन्ना भुगतान और तौल संबंधी मुद्दों पर जिला गन्ना अधिकारी अपना पक्ष रखेंगे। शिक्षा विभाग से जुड़ी अभिभावकों की शिकायतों पर जिला शिक्षा अधिकारी के साथ मध्यस्थता की जाएगी।पंचायत में तहसील प्रशासन की ओर से तहसीलदार मूसराम थारू, खंड शिक्षा अधिकारी मुकेश कुमार, सीओ चकबंदी और गन्ना विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। किसान यूनियन की ओर से जिला अध्यक्ष डॉ. चंद्रपाल सिंह के नेतृत्व में सौवीर सिंह, गुरमीत सिंह चंचू, बचन सिंह, जयपाल सिंह, जिला प्रवक्ता फुलवास सिंह, मोहित सिद्धू, राजीव राठी, रवि राठी, मयंक धारीवाल, दर्शन सिंह, जमील सैफी, राहुल यादव और मुन्नू गुर्जर सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद थे। एसडीएम मंडी धनौरा शैलेश कुमार दुबे ने बताया, "यूनियन की कुछ मांगों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया है। अन्य विभागों से संबंधित मुद्दों के लिए 7 मई को सभी मुख्य अधिकारियों को बुलाया गया है ताकि पारदर्शी तरीके से समाधान हो सके।

भाजपा की प्रचंड बहुमत से हुई ऐतिहासिक जीत के उपलक्ष्य में भाजपा विधायक राजीव तरारा के आवास पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन

भाजपा के पदाधिकारियों व समर्थकों ने जमकर मनाया जीत का जश्न

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- सोमवार को भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड बहुमत से प्राप्त हुई ऐतिहासिक जीत के उपलक्ष्य में भाजपा विधायक राजीव तरारा के कार्यालय पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के सम्मानित जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी एवं समर्पित कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर इस ऐतिहासिक जीत का उत्सव मनाया।

बता दें कि कार्यक्रम के दौरान उपस्थित वक्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी की इस अभूतपूर्व विजय को जनता के विश्वास, केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों तथा संगठन की मजबूत कार्यशैली का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि यह जीत देश और प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम के पश्चात सभी कार्यकताओं के साथ झालमूड़ी एवं मिठाई वितरित कर खुशियां साझा की

गईं और विजय का उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सतपाल पाल राजेंद्र सिंह , उद्धम सिंह , सतवीर सिंह, सुशील, वैभव गोयल ,सुनील, वीर सिंह सैनी, निहार त्यागी , पवन, वैभव, सूरजपाल , मनजीत सिंह सहित स्थानीय गणमान्य नागरिक, पार्टी पदाधिकारी, ऊजार्वान कार्यकर्ता और भारी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने एक स्वर में संकल्प लिया कि वे पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने और संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे।

हिंदू जागृति मंच ने नामित सभासदों का किया सम्मान, कार्यों की सराहना

संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा नामित किए गए सभासदों के सम्मान में हिंदू जागृति मंच द्वारा रविवार को एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम नगर के आर्य समाज सभागार में गरिमामय वातावरण के बीच संपन्न हुआ, जहां बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से नामित सभासद सैय्यद शान अली को हिंदू जागृति मंच के पदाधिकारियों द्वारा माल्यार्पण कर एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही अन्य नामित सभासदों को भी इसी प्रकार सम्मानित करते हुए उनके कार्यों की सराहना की गई। मंच से

वक्ताओं ने कहा कि सभी सभासद जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देते हुए क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा योग्य और सक्रिय लोगों को सभासद के रूप में नामित किया जाना एक सराहनीय पहल है, जिससे स्थानीय निकायों में विकास कार्यों को और अधिक गति मिलेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी सभासद जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर कार्य करेंगे।

कार्यक्रम के दौरान सामाजिक समरसता और सहयोग की भावना पर भी जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि समाज के सभी वर्गों को मिलकर क्षेत्र के विकास में योगदान देना चाहिए, तभी एक सशक्त और विकसित समाज का निर्माण संभव है।

इस अवसर पर अजय शर्मा, अतुल शर्मा सहित हिंदू जागृति मंच के कई पदाधिकारी, स्थानीय नागरिक एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए किया गया।

बाल विवाह के खिलाफ दिलाई शपथ, जागरूकता अभियान तेज

सम्भल(सब का सपना):- जनपद में बाल अपराधों के खिलाफ जागरूकता अभियान लगातार गति पकड़ रहा है। इसी क्रम में सोमवार को जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन की सहयोगी संस्था प्रयत्न द्वारा खग्गूपुरा गांव में विशेष कार्यक्रम आयोजित कर ग्रामीणों को बाल विवाह न करने की शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम के दौरान संस्था के प्रभारी गौरीशंकर चौधरी ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और उनके अधिकारों की रक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने बाल विवाह के दुष्परिणामों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह न केवल बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा पर प्रतिकूल

प्रभाव डालता है, बल्कि उनके संपूर्ण विकास में भी बाधा उत्पन्न करता है।

उन्होंने जानकारी दी कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत 18 वर्ष से कम आयु की लड़की और 21 वर्ष से कम आयु के लड़के का विवाह कराना दंडनीय अपराध है। ऐसे मामलों में शादी कराने वाले पंडित, नाई, हलवाई, टेंट व्यवसायी सहित आयोजन में शामिल सभी व्यक्तियों को दो वर्ष तक की सजा और एक लाख रुपये तक का जुमार्ना या दोनों हो सकते हैं।

संस्था द्वारा लोगों से अपील की गई कि यदि कहीं भी बाल विवाह की सूचना मिले तो तुरंत चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, पुलिस 112 और जेआरसी हेल्पलाइन 18001027222 पर जानकारी दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। इस अवसर पर ग्राम प्रधान शरमा देवी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता रेखा व रजनी, शिक्षक सुमित रस्तोगी, मनीष गुप्ता, हिमांशी रस्तोगी, रिचा बार्ष्णेय, अंशु सहित संस्था के फील्ड कोऑर्डिनेटर सिराज अहमद, स्कूली बच्चे और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

महाराणा प्रताप पार्क में पेंटिंग से छेड़छाड़ पर आक्रोश, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

संभल(सब का सपना):- जनपद के मोहल्ला हल्लू सराय स्थित महाराणा प्रताप पार्क में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की पेंटिंग से छेड़छाड़ किए जाने का मामला सामने आने के बाद क्षेत्रवासियों में भारी रोष व्याप्त है। इस घटना के विरोध में सर्व समाज के लोगों ने एकजुट होकर सोमवार को उप जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र सौंपते हुए पार्क में सुरक्षा व्यवस्था और मूलभूत सुविधाओं को दुरुस्त कराने की मांग की।

प्रार्थना पत्र में बताया गया कि पार्क में पहले भी इस तरह की घटना हो चुकी है, जिसका मुख्य कारण वहां सुरक्षा एवं निगरानी व्यवस्था का अभाव है। लोगों का कहना है कि असामाजिक तत्वों द्वारा बार-बार इस प्रकार की हरकतें की जा रही हैं, जिससे समाज की भावनाएं आहत हो रही हैं।

क्षेत्रवासियों ने पार्क में व्याप्त अव्यवस्थाओं की ओर भी प्रशासन

का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने मांग की कि पार्क में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं, महाराणा प्रताप की स्थायी मूर्ति स्थापित की जाए, टूटे हुए झूलों की मरम्मत कराई जाए तथा बच्चों के लिए स्लाइड और स्विंग की समुचित व्यवस्था की जाए। इसके अलावा खराब पड़े फव्वारे को चालू कराने, बंद पड़ी लाइटों को ठीक कराने, सबमर्सिबल पाइपलाइन की मरम्मत, सोलर लाइट्स की बैटरियां पुनः लगाने और बिजली कटौती के दौरान इनवर्टर की व्यवस्था करने की भी मांग की गई। ज्ञापन में पार्क में स्वच्छता और अनुशासन बनाए रखने के लिए नियम लागू करने का भी सुझाव दिया गया है, जिसमें झूलों का उपयोग केवल बच्चों तक सीमित रखने, उल्लंघन करने पर जुमार्ना लगाने तथा गंदगी फैलाने वालों पर कार्रवाई करने की बात कही गई है।

इस मौके पर सर्व समाज राजपूत संगठन, प्रजापति संगठन एवं ब्राह्मण समाज के लोगों ने एकजुटता दिखाते हुए प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की। प्रमुख रूप से इंजीनियर अमित पवार, राजा ठाकुर, अभी ठाकुर, सर्वेश ठाकुर, मंगल प्रजापति, मोहित ठाकुर, आयुष ठाकुर, अजीत ठाकुर, प्रिंस, अवधेश, वंश ठाकुर, मयंक, धर्मवीर, परमानंद अमन, अमरीश ठाकुर, गुड्डू पवार, सोनू, ओम ठाकुर, विवेक ठाकुर, इंद्रप्रताप, अभिषेक अभय, उदय ठाकुर, आशीष, प्रशांत, सिद्धू ठाकुर, बॉबी ठाकुर, लवकेश ठाकुर, सिद्धांत ठाकुर, लाला ठाकुर, गोपी, सागर, शिव, शील ठाकुर, सुरेंद्र ठाकुर, तरुण, सुमित, इशू, सूर्यांश, शिवम, नितिन, रमन, गोविंदा, वंशज, गोपाल, पप्पू ठाकुर, ललित ठाकुर, रजत ठाकुर सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

बरेली की घटना पर संभल के उलेमाओं में रोष, दोषियों की गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग

संभल(सब का सपना):- बरेली में हुई दिल दहला देने वाली घटना, जिसमें मरहूम मौलाना तौसीफ रजा मजहरी को ट्रेन में सफर के दौरान असामाजिक तत्वों द्वारा निशाना बनाया गया, को लेकर संभल के उलेमाओं में गहरा दुख और आक्रोश देखने को मिला। इस घटना के विरोध में सोमवार को कादरी मंज़िल, कोट पूर्वी संभल में एक अहम बैठक आयोजित की गई, जिसमें शहर के बड़ी संख्या में सम्मानित उलेमा शामिल हुए।

बैठक में तंजीम उलामाऐ अहले सुन्नत के जनरल सेक्रेटरी मौलाना फैजान अशरफ हामिदी और मौलाना कारी इरफान लतीफी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए इस घटना की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक व्यक्ति पर हमला नहीं, बल्कि देश की शांति, कानून व्यवस्था और

धार्मिक सहिष्णुता पर गंभीर आघात है।

उलामा ने कहा कि इस तरह की घटनाएं समाज में भय और असुरक्षा का माहौल पैदा करती हैं, जिन्हें रोकने के लिए प्रशासन को तत्काल और कठोर कदम उठाने चाहिए। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार से मांग की कि घटना में शामिल आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए और उनके खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही मृतक के परिवार को उचित आर्थिक मुआवजा देने और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की भी मांग उठाई गई।

बैठक में मौजूद सभी उलेमाओं ने मरहूम मौलाना की मगफिरत के लिए दुआ की और उनके परिजनों को सब्र अता करने की प्रार्थना की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि न्याय मिलने में अनावश्यक देरी हुई, तो संगठन शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज बुलंद करने को बाध्य होंगे। इस अवसर पर मौलाना ज़िया-उल-मुस्तफा अशरफी, मौलाना शोएब रजा अमजदी, मुफ़्ती इमरान रजा मंजरी, मौलाना मुफ़्ती माहिर हुसैन मरकजी, मुफ़्ती आदिल रजा मिस्बाही, मौलाना नफीस अशफाकी, मौलाना बुरहान अशरफ हामिदी, मुफ़्ती महबूब इलाही मरकजी, मौलाना नाज़िम हुसैन मरकजी, मौलाना तारिक रजा, कारी वसीम रजा, कारी सोहराब गजाली, कारी वसीम अकरम, मुहम्मद आजम अत्तारी, मुहम्मद वासिफ रजा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

एसपी कृष्ण कुमार ने नवीन पुलिस लाइन निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

बहजोई/संभल (सब का सपना):- सोमवार को पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार ने नवीन पुलिस लाइन के निमार्णाधीन कार्यों का स्थल निरीक्षण कर प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, गति एवं निर्धारित समय-सीमा के अनुरूप कार्यों की स्थिति को बारीकी से परखा।

इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्य उच्च गुणवत्ता मानकों के अनुरूप एवं तय समय सीमा में पूर्ण किए जाएं। उन्होंने विशेष रूप से निर्माण सामग्री की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न करने, सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने तथा कार्यस्थल पर स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए।

एसपी ने कहा कि नवीन पुलिस लाइन का निर्माण विभाग की एक महत्वपूर्ण परियोजना है, जिसे प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाना आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए।

निरीक्षण के दौरान मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि निर्माण कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो।

सीआरएल डायग्नोस्टिक सेंटर का शुभारंभ, सटीक जांच और किफायती दरों का दावा

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- नगर बहजोई में सोमवार को सीआरएल डायग्नोस्टिक प्राइवेट लिमिटेड के अधिकृत सैंपल कलेक्शन सेंटर का विधिवत शुभारंभ किया गया। यह सेंटर इस्लामनगर चौराहा, चंदौसी रोड स्थित आशी अल्ट्रासाउंड के समीप स्थापित किया गया है, जिससे क्षेत्र के लोगों को बेहतर और सटीक पैथोलॉजी जांच की सुविधा स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सकेगी।

सेंटर का उद्घाटन बहजोई सीएचसी प्रभारी डॉ. सचिन वर्मा द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आधुनिक जांच सुविधाओं का स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होना आमजन के लिए बेहद लाभकारी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह सेंटर क्षेत्रवासियों को समय पर और सटीक जांच रिपोर्ट उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। सेंटर संचालक मुईनुद्दीन हसन ने बताया कि सीआरएल डायग्नोस्टिक अपने रक्त और अन्य पैथोलॉजी परीक्षणों की सटीकता और विश्वसनीयता के लिए देशभर में जानी जाती है। यहां आधुनिक मशीनों के माध्यम से जांच की जाती है, जिससे रिपोर्ट की गुणवत्ता बेहतर रहती है। उन्होंने बताया कि अन्य लैब की तुलना में यहां विभिन्न परीक्षण किफायती दरों पर उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सकें।

उद्घाटन कार्यक्रम में वाजिद अली, विनोद कुमार, अनिल कुमार, सोनू शर्मा, आसिक अली, सुहैल अहमद, मनदीप गुप्ता सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

इस दौरान डॉ. सचिन वर्मा ने बदलते मौसम और बढ़ती गर्मी को देखते हुए लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में अधिक से अधिक पानी पीना चाहिए और हीट वेव के दौरान दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक अनावश्यक बाहर निकलने से बचना चाहिए। साथ ही भोजन को ढककर रखने, ताजे फल-सब्जियों का सेवन करने, जलभराव न होने देने और स्वच्छता बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि इन सरल उपायों को अपनाकर संक्रामक और मौसमी बीमारियों से काफी हद तक बचा जा सकता है। किसी भी आपात स्थिति में तुरंत नजदीकी सरकारी अस्पताल से संपर्क करने की सलाह भी दी गई।

थाना रजपुरा पुलिस ने मारपीट और फायरिंग मामले में चार आरोपी किए गिरफ्तार

रजपुरा/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन में जनपद में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत सोमवार को थाना रजपुरा पुलिस ने अहम कार्रवाई करते हुए मारपीट और फायरिंग के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, रविवार को पीड़ित नरेंद्र पुत्र दानवीर निवासी ग्राम देवपुरा, थाना रजपुरा ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया था कि कुछ लोगों ने उसके एवं उसके परिवार के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। आरोप है कि आरोपियों ने रिवाल्वर से हवा में फायरिंग भी की तथा धारदार हथियार और लाठी-डंडों से हमला कर परिवार के सदस्यों को घायल कर दिया। इस मामले में थाना रजपुरा पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले को गंभीरता से लेते हुए सोमवार को पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अभियुक्त राजेश पुत्र खुरशारी, बन्टी उर्फ ब्रजपाल, निम्मे पुत्र राजेंद्र सिंह और करतार पुत्र राजेंद्र सिंह को केशरपुर तिराहे से अनूपशहर की ओर जाते समय गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया है कि जनपद में कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

भाजपा की जीत पर चंदौसी में जश्न, कार्यकताओं ने मनाया विजय उत्सव

चन्दौसी/सम्भल(सब का सपना):- विभिन्न राज्यों में घोषित चुनावी परिणामों में भारतीय जनता पार्टी को मिली ऐतिहासिक जीत के उपलक्ष्य में भाजपा नगर मंडल चंदौसी द्वारा सोमवार को भव्य विजय उत्सव मनाया गया। नगर अध्यक्ष अंकुर अग्रवाल के नेतृत्व में स्टेशन रोड स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी चौक पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई।

इस दौरान कार्यकताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। सभी ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर और आतिशबाजी कर जीत का जश्न मनाया। कार्यक्रम में पालिकाध्यक्ष लता वार्ष्णेय ने कहा कि यह विजय देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, केंद्र एवं राज्य सरकारों की जनकल्याणकारी नीतियों और

कार्यकताओं की कड़ी मेहनत का परिणाम है। उन्होंने कहा कि जनता ने एक बार फिर विकास और सुशासन की राजनीति पर विश्वास जताया है।कार्यक्रम के दौरान भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के योगदान को भी याद किया गया। वक्ताओं ने कहा कि उनके अखंड भारत और राष्ट्रीय एकता के विचार आज भी पार्टी की विचारधारा का मूल आधार हैं।

नगर अध्यक्ष अंकुर अग्रवाल ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने देश की एकता और सांस्कृतिक पहचान के लिए जो संकल्प लिया था, आज पार्टी उसी मार्ग पर आगे बढ़ रही है। बंगाल और असम सहित अन्य राज्यों में मिली जीत उनके विचारों को सच्ची श्रद्धांजलि है। कार्यक्रम के अंत में कार्यकताओं ने संगठन को और मजबूत करने तथा जनसेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। संचालन नगर महामंत्री तरुण कुमार नीरज ने किया।

इस अवसर पर सुरेश सैनी, मनोज कठेरिया, विनोद कुमार विन्नी, अश्वनी सक्सेना, विपिन अग्रवाल, राजकुमार ठाकरे, अशोक शर्मा, अंकित जैन, सतीश अरोड़ा, गिरीश रतन, मनोज दिवाकर, हरेंद्र कोहली, तरुण नीरज, रोहित दिवाकर, देवेंद्र गुप्ता, अभिनव शर्मा, शुभम अग्रवाल, अमन कोरी, टीएस पाल, संजय बंसल, पप्पू मौर्य, चिंटू शर्मा, नवकांत शर्मा, आकाश आहूजा, प्रवीण व्यास, आशा गोस्वामी, मोक्षिका शर्मा, शीला सागर, शीनू गुप्ता, रेखा सैनी, पुष्पलता पाल, उमा श्रीवास्तव, रिमझिम बाल्मीकि, प्रीति शर्मा, विवेक चौधरी, अनुज अन्नू, मुकेश सैनी, संजय पारीख, नरेश लोधी, राजेश पाल, अमित अग्रवाल, अनुज उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नगीना के विकास को लगे पंख, 72 करोड़ की सड़क परियोजनाओं की सौगात, विधायक ओम कुमार ने किया उद्घाटन

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद बिजनौर के नगीना लोकसभा क्षेत्र की बुनियादी तस्वीर बदलने की दिशा में रविवार को एक बड़ा कदम उठाया गया। नहटौर विधायक ओम कुमार ने क्षेत्र की जनता को ड्ढ72 करोड़ की सड़क परियोजनाओं की बड़ी सौगात दी। ग्राम हुरनंगला में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम के दौरान विधायक ने विधिवत पूजा-अर्चना और फीता काटकर इन महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया। इन परियोजनाओं का सबसे प्रमुख हिस्सा नहटौर से नगीना मार्ग है। लगभग 12.75 किलोमीटर लंबे इस मार्ग का चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण किया गया है, जिससे अब मुसाफिरों को धूल और गड्ढों से निजात मिलेगी। इसके साथ ही नेशनल हाईवे-734 से सैदपुर, हुरनंगला, नैनसराय होते हुए बिजनौर कोतवाली मार्ग से नेशनल हाईवे-709 तक के लिंक रोड का निर्माण भी इस योजना में शामिल है।लोकार्पण के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए विधायक ओम कुमार ने कहा कि इन सड़कों का निर्माण क्षेत्र की जनता की वर्षों पुरानी मांग थी। उन्होंने कहा, "सड़कें किसी भी क्षेत्र की प्रगति की धमनियां होती हैं। इन मार्गों के सुदृढ़ीकरण से न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि व्यापार को गति मिलेगी और हमारे ग्रामीण भाई-बहनों का सीधा संपर्क शहरों से बेहतर हो सकेगा। इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बनने के लिए भाजपा जिला उपाध्यक्ष (महिला मोर्चा) शोभा रानी सहित भारी संख्या में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी वक्ताओं ने इन विकास कार्यों को नगीना के भविष्य के लिए एक मील का पत्थर बताया। विधायक ने जनता को आश्वस्त किया कि यह तो केवल शुरूआत है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में क्षेत्र की हर कच्ची डगर को पक्की सड़क से जोड़ने का संकल्प पूरा किया जाएगा। उन्होंने जनता से इन सार्वजनिक संपत्तियों की देखरेख करने और विकास के इस सफर में सहभागी बनने की अपील की।

विधायक ओम कुमार के प्रयास से ड्ढ72 करोड़ का यह निवेश नगीना क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूती प्रदान करेगा। सड़कों का यह जाल आने वाले समय में क्षेत्र की आर्थिक और सामाजिक उन्नति का आधार बनेगा।

स्मार्ट मीटर के विरोध में महिलाओं ने किया प्रदर्शन

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में बिजली के स्मार्ट मीटरों को लेकर उपभोक्ताओं का आक्रोश अब सड़कों पर दिखाई देने लगा है। सोमवार को बड़ी संख्या में महिलाओं ने स्मार्ट मीटरों के विरोध में कलेक्ट्रेट पर जमकर प्रदर्शन किया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। आक्रोशित महिलाएं पूर्व सांसद कुंवर भारतेंद्र सिंह के नेतृत्व में जिलाधिकारी से शिकायत करने पहुंची थीं। महिलाओं का आरोप है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद से

बिजली के बिलों में अप्रत्याशित बढ़ोतरी हुई है और तकनीकी गड़बड़ियों के कारण जनता का आर्थिक शोषण हो रहा है। जिलाधिकारी की अनुपस्थिति में महिलाओं ने एसडीएम सदर रितु रानी को ज्ञापन सौंपा।

महिलाओं ने मांग की कि इन मीटरों की तकनीकी जांच कराई जाए और उपभोक्ताओं की समस्याओं का स्थायी समाधान किया जाए। मामले में एसडीएम सदर रितु रानी ने बताया कि महिलाओं ने स्मार्ट मीटर से जुड़ी गंभीर समस्याएं सामने रखी हैं। प्राप्त ज्ञापन को तत्काल संबंधित विभाग और सक्षम अधिकारियों तक पहुँचाया जाएगा ताकि नियमानुसार कार्यवाही की जा सके।

तमंचे के साथ युवक का फोटो वायरल

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के युवाओं में इन दिनों सोशल मीडिया पर अवैध हथियारों के प्रदर्शन का जानलेवा खुमार चढ़ा हुआ है। ताजा मामला थाना कोतवाली देहात के गांव खेड़ा का है, जहाँ एक युवक का हाथ में अवैध तमंचा लेकर फोटो खिंचवाना और उसे वायरल करना अब उसके लिए गले की फांस बन सकता है।

वायरल फोटो में युवक बेखौफ होकर अवैध तमंचे का प्रदर्शन करता नजर आ रहा है। यह प्रवृत्ति न केवल

कानून का उल्लंघन है, बल्कि समाज और युवा पीढ़ी के लिए भी जानलेवा साबित हो रही है। सोशल मीडिया पर धौंस जमाने के चक्कर में युवा लगातार अपनी और दूसरों की जान जोखिम में डाल रहे हैं।

फोटो संज्ञान में आने के बाद पुलिस प्रशासन सक्रिय हो गया है। कोतवाली देहात पुलिस युवक की शिनाख्त और उसकी तलाश में जुट गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अवैध हथियारों का प्रदर्शन और सोशल मीडिया पर दहशत फैलाना कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पति की गिरफ्तारी के बाद महिला का हंगामा, आत्महत्या का प्रयास नाकाम

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के मंडावली थाना क्षेत्र में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक महिला ने अपने पति की गिरफ्तारी के बाद थाने के बाहर खुद पर पेट्रोल छिड़क लिया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों की सतर्कता से स्थिति को तुरंत संभाल लिया गया और एक बड़ा हादसा टल गया।

जानकारी के अनुसार ग्राम गांवड़ी निवासी बलविंदर सिंह पुत्र कमल सिंह को न्यायालय द्वारा जारी गैर-जमानती वारंट के आधार पर पुलिस ने गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद नियमानुसार इसकी सूचना

उसकी पत्नी को दी गई। पति की गिरफ्तारी की खबर मिलते ही महिला मंडावली थाने पहुंच गई और उसे छोड़ने के लिए पुलिस से कहने लगी। बताया जा रहा है कि महिला ने काफी देर तक थाने में हंगामा किया और पुलिस पर दबाव बनाने की कोशिश की। इसी दौरान उसने अचानक अपने ऊपर पेट्रोल छिड़क लिया, जिससे मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों में हड़कंप मच गया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत महिला को काबू में लिया और उसे किसी भी प्रकार की हानि होने से बचा लिया। घटना के बाद पुलिस ने महिला को समझाने का प्रयास किया और स्थिति को शांत कराया।

क्षेत्राधिकारी अंजनी कुमार ने बताया कि पुलिसकर्मियों की सूझबूझ से एक गंभीर घटना टल गई। मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है और महिला को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

बेटी को छोड़ लौट रहे थे पिता, रास्ते में हादसे ने छीन ली जान

बिजनौर (सब का सपना):- धामपुर थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसे ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। आरएसएम तिराहे के पास अचानक पेड़ गिरने से बाइक सवार एक बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनकी उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और परिजनों में गहरा शोक व्याप्त है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सुहागपुर निवासी 58 वर्षीय नरेश कुमार पुत्र बाबूराम अपनी मोटरसाइकिल से धामपुर आए थे। बताया जा रहा है कि वह अपनी बेटी को आरएसएम तिराहे पर वाहन में बैठाकर वापस घर लौट रहे थे। इसी दौरान अचानक सड़क किनारे खड़ा

एक पेड़ गिर पड़ा और सीधे उनके ऊपर आ गिरा। हादसा इतना अचानक हुआ कि उन्हें संभलने का मौका तक नहीं मिला और वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना के तुरंत बाद आसपास मौजूद लोगों ने मानवता का परिचय देते हुए घायल नरेश कुमार को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धामपुर पहुंचाया। चिकित्सकों ने उन्हें बचाने का पूरा प्रयास किया, लेकिन सिर में आई गंभीर चोटों के कारण उनकी जान नहीं बचाई जा सकी।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर हादसा प्राकृतिक कारणों से पेड़ गिरने का माना जा रहा है।

इस दुखद घटना से मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है। बताया जा रहा है कि नरेश कुमार परिवार के जिम्मेदार सदस्य थे और उनके अचानक चले जाने से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से सड़क किनारे जर्जर पेड़ों की समय-समय पर जांच कर उन्हें हटाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

स्योहारा पुलिस ने की बड़ी कार्यवाही, हत्या के तीन आरोपी गिरफ्तार

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के थाना स्योहारा पुलिस ने हत्या के एक सनसनीखेज मामले का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा है, जिसमें युवक की हत्या को दुर्घटना का रूप देने की साजिश रची गई थी।

पुलिस के अनुसार ग्राम जुझैला निवासी नृपेन्द्र सिंह ने तहरीर देकर आरोप लगाया था कि उनके पुत्र गुलशन की हत्या ग्राम रहटौली के कुछ लोगों ने मिलकर की है। इस आधार पर थाना स्योहारा में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। विवेचना के दौरान कई आरोपियों के नाम सामने आए, जिनमें से तीन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

गिरफ्तार आरोपियों में अतर सिंह, पुष्पेन्द्र और रजनीश शामिल हैं, जो सभी ग्राम रहटौली के निवासी हैं। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि गुलशन का अतर सिंह की बहन के साथ पिछले कई वर्षों से प्रेम संबंध था। परिवार के विरोध के बावजूद दोनों ने हाल ही में आपसी सहमति से विवाह कर लिया था, जिससे आरोपियों को सामाजिक प्रतिष्ठा आहत होने का अंदेशा था।

इसी रंजिश के चलते आरोपियों ने सुनियोजित तरीके से गुलशन की हत्या की योजना बनाई। घटना वाली रात गुलशन के गांव आने पर आरोपियों ने उसका पीछा किया और उसे पकड़कर मोटरसाइकिल से गांव के बाहर महमूदपुर रेलवे लाइन के पास ले गए।

वहां ट्रेन आने पर उसे धक्का दे दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। बाद में आरोपियों ने घटना को हादसा दिखाने की कोशिश की।

पुलिस ने मामले में साक्ष्य के आधार पर अन्य धाराएं भी बढ़ाई हैं और शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

संभल को मिले नए जिलाधिकारी, अंकित खंडेलवाल संभालेंगे जिम्मेदारी

संभल(सब का सपना):- जनपद को नए जिलाधिकारी के रूप में आईएएस अधिकारी अंकित खंडेलवाल की तैनाती मिली है। वर्ष 2017 बैच के आईएएस अधिकारी अंकित खंडेलवाल अब जनपद की प्रशासनिक कमान संभालेंगे।

बताया जा रहा है कि शासन स्तर से जारी आदेशों के तहत उनका स्थानांतरण संभल में किया गया है। उनके आगमन से जनपद में प्रशासनिक कार्यों को नई गति मिलने

की उम्मीद जताई जा रही है।

अंकित खंडेलवाल अपनी कार्यशैली, सख्त प्रशासनिक नियंत्रण और जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि उनके नेतृत्व में जनपद में विकास कार्यों को और गति मिलेगी तथा कानून-व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जाएगा।

स्थानीय लोगों एवं अधिकारियों में नए जिलाधिकारी के आगमन को लेकर उत्सुकता देखी जा रही है। वहीं उम्मीद जताई जा रही है कि वे जनता से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करेंगे।

बिजनौर में बरसात के साथ आई तेज आंधी में 100 से ज्यादा बिजली के खंभे टूटे; पेड़ गिरने से बाइक सवार की मौत

बिजनौर। रविवार रात तेज गरज के साथ बादलों ने खूब पानी बरसाया। बरसात के साथ आई आंधी ने जगह-जगह पेड़ तोड़ डाले। पेड़ टूटकर गिरकर विद्युत लाइन पर गिरने से बिजनौर सर्किल में 100 से ज्यादा खंभे टूट गए। लाइन और खंभे टूटने से गांवों की विद्युत आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित है। आंधी से आम की फसल को भी भारी नुकसान हुआ है। हालांकि मौसम सुहावना बना हुआ है। बीते कई दिन से पुरवा हवा के झोंके चल रहे थे। पुरवा हवा से बादल छाए हुए थे। रविवार रात दस बजे तक मौसम साफ था लेकिन बाद में बादल छाने शुरू हो गए। लगभग एक बजे तेज आंधी आई। 15 मिनट तक अंधड़ के तेज थपेड़े चलते रहे और इसके बाद तेज बरसात शुरू हो गई। लगभग एक घंटे तक बरसात हुई। इसके बाद भी हवा के तेज झोंके चलते रहे।अंधड़ की वजह से जगह जगह पेड़ टूटकर कहीं सड़क तो कहीं बिजली की लाइन पर गिर गए। जगह जगह बिजली की लाइन और खंभे टूट गए। कई जगह तो घरों के कपड़े ही विद्युत लाइन पर जाकर लिपट गए। विद्युत निगम की टीम

तड़के से ही लाइनों को ठीक करने में लग गए। जिला मुख्यालय की आपूर्ति तो सात बजे तक बहाल हो गई पर देहात में अभी काम चल ही रहा है।पेड़ काटकर लाइन से हटाए जा रहे है और टूटे हुए खंभों को बदला जा रहा है। आंधी से आम की फसल को नुकसान हुआ है। दस प्रतिशत तक फसल टूट गई है। वहीं गेहूं के खेत खाली होने के बाद बोई गई गन्ने की फसल को भी बरसात से नुकसान हुआ। खेत में नमी होने से फसल का जमाव कम होगा। हालांकि बरसात और हवा के झोंकों ने मौसम को सुहावना कर दिया है। अभी मंगलवार को भी बरसात होने की संभावना बनी हुई है।

सड़क किनारे लगा पेड़ गिरने से बाइक सवार की मौत धामपुर। धामपुर-शेरकोट मार्ग के किनारे खड़ा पेड़ अचानक गिर गया, जिसकी चपेट में आने से बाइक सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई। गांव सुहागपुर निवासी 50 वर्षीय नरेश अपनी बेटी को ससुराल छोड़कर रविवार शाम घर लौट रहे थे। शाम लगभग साढ़े पांच बजे जब वह धामपुर-शेरकोट मार्ग पर स्थित एनसीसी कार्यालय के पास पहुंचे तो सड़क किनारे खड़ा पिलखन का पेड़ गिर गया। पेड़ की चपेट में आने से नरेश गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

राष्ट्रीय राजमार्ग 74 पर गिरा पेड़ नगीना। रोडवेज बस स्टैंड के पास रविवार देर शाम हाईवे किनारे खड़ा एक बड़ा पेड़ अचानक गिर पड़ा। पेड़ गिरने से हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई तथा कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा। गनीमत रही कि जिस समय पेड़ गिरा उस समय कोई वाहन पेड़ के नीचे से नहीं गुजर रहा था, वरना बड़ा हादसा हो सकता था।

डीएम डॉ. राजेन्द्र पैंसिया को भावभीनी विदाई, अधिकारियों ने दी शुभकामनाएं

बहजोई/संभल(सब का सपना):- कलेक्ट्रेट सभागार बहजोई में जिलाधिकारी संभल डॉ. राजेन्द्र पैंसिया के जनपद मुरादाबाद स्थानांतरण के उपलक्ष्य में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक संभल कृष्ण कुमार सहित जनपद के वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने जिलाधिकारी से शिष्टाचार भेंट कर उनके कार्यकाल की सराहना की। उन्होंने कहा कि डॉ. पैंसिया के नेतृत्व में जनपद में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ रही और प्रशासनिक कार्यों का संचालन प्रभावी ढंग से हुआ। साथ ही जनहित से जुड़े कार्यों में उनकी सक्रिय भूमिका सराहनीय रही।

कार्यक्रम के दौरान अन्य अधिकारियों ने भी जिलाधिकारी के कुशल नेतृत्व, बेहतर समन्वय क्षमता और

जनकल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की प्रशंसा की। वक्ताओं ने कहा कि उनके कार्यकाल में प्रशासन ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं और आमजन को बेहतर सुविधाएं मिलीं।

इस मौके पर क्षेत्राधिकारी असमोली कुलदीप कुमार, क्षेत्राधिकारी चंदौसी दीपक तिवारी सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। सभी ने डॉ. पैंसिया के उज्ज्वल भविष्य एवं नए दायित्वों के सफल निर्वहन की कामना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश की इकाई शामली का शपथ ग्रहण समारोह

शामली (सब का सपना):- ब्रेक पांइट कैराना रोड शामली के सभागार कक्ष पर राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश की जनपद इकाई शामली का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष शिवचरण रहे। इस महत्वपूर्ण अवसर पर परिषद के पदाधिकारियों और कर्मचारियों ने एकजुट होकर अपनी जिम्मेदारीयो निभाने की शपथ ली। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलित कर की गई। सहारनपुर से आये मण्डल अध्यक्ष, मण्डल सचिव, मण्डल संरक्षक, मण्डल जिला मंत्री और क्षेत्रीय महामंत्री डिप्लोमा इ. संघ ने परिषद को मजबूत करने के सम्बध मे अपने अपने व्यक्तव्य दिये जिनमे उन्होंने

राज्य कर्मचारियों की स्थिति और उनके अधिकारों की चर्चा की। उन्होंने राज्य कर्मचारियों की आवाज को मजबूती से उठाने और उनके हक के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया गया है। इस समारोह में सभी घटक दल के पदाधिकारी व सदस्यो की प्रभावी भागीदारी रही। सभा अध्यक्ष शिवचरण ने परिषद के नए पदाधिकारियों को उनके कार्यो के प्रति पूरी निष्ठा और गोपनियता की शपथ दिलाई। नव निर्वाचित अध्यक्ष संजय चपराना ने कहा कि अधिकारियो से संवाद स्थापित कर कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा व अवश्यकता पडने पर आन्दोलन भी किया जायेगा।

इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने परिषद की नीतियों और उद्देश्यों के प्रति अपनी सहमति व्यक्त की और इस कार्य को और प्रभावी बनाने के लिए हरसंभव सहयोग देने का वचन दिया। कार्यक्रम मे मण्डल अध्यक्ष सुधीर ठाकुर, मण्डल सचिव मीनाक्ष श्रीवास्तव, संरक्षक अशोक मलिक, सोमान्शु मोहन, राजीव शर्मा, दीपेश और नवनिर्वाचित कार्यकारिणी सहित विभिन्न घटक दलो के समस्त सम्मानित पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

सरकार के आदेश के बाबजूद शिक्षा विभाग निजी स्कूल संचालकों पर नहीं कस पा रहा है शिकंजा

आदेश का पालन कराने में विफल शिक्षा अधिकारी के खिलाफ हो सख्त कार्यवाही

टांडा/रामपुर (सब का सपना):- बेसिक शिक्षा विभाग के कुछ जिम्मेदार अफसरों की मिलीभगत या फिर लापरवाही से ज्यादातर प्राईवेट स्कूलों के संचालक बच्चों के उज्जवल भविष्य का सपना दिखाकर अभिभावकों के खून पसीना की कमाई को लूट अपनी तिजोरियां भरने में जुटे हैं। यह बात गांव मुडिया रसूलपुर के भूतपूर्व प्रधान हासिम अली अंसारी ने अपने निवास पर "सब का सपना " को दिए साक्षात्कार में कहते हुए दावा किया कि ऐसे स्कूलों में बच्चों को उच्च शिक्षा दिए जाने के नाम पर अभिभावकों से भिन्न भिन्न सुविधा प्रदान किए जाने का ढिंढोरा पीट बेहिसाब रुपया वसूला जा रहा है और अभिभावक लुटने के लिए बेबस है ! उनका कहना रहा कि सरकार के आदेश की धज्जियां उडाने के बाबजूद शिक्षा विभाग की आंखों पर पट्टी बंधी हुई क्यों है,यह

समझ से परे है। उनका साफ शब्दों में कहना रहा कि स्कूलों में सरकार के आदेश के मुताबिक एनसीआरटी किताबें पढ़ाना जरुरी है तो आखिर किसके दम पर प्राइवेट स्कूलों में इस आदेश का पालन नहीं हो पा रहा है और शिक्षा विभाग सरकार के आदेश के अनुपालन में आदेश की धज्जियां उडाने वाले स्कूलों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही नहीं कर पा रहा है , आखिर क्यों ? उन्होंने दावा किया कि निरिक्षण किया जाए तो ज्यादातर प्राईवेट स्कूल मान्यता के लिए जरूरी मानक भी पूरा नहीं करते हैं फिर भी विभाग में पंजीकृत होने का दावा करते हैं। बच्चों को घर से स्कूल और स्कूल से घर बच्चों को लाने और वापस घर छोडने के लिए तिपहिया, चौपहिया और बसें लगा रखी हैं लेकिन क्या नियमानुसार आरटीओ आफिस में इन वाहनों की सूची अंकित कराई हुई है। क्या ऐसे वाहन मानकों को पूरा करते हैं,न तो इस ओर शिक्षा विभाग ध्यान देता है और न ही पुलिस, जबकि इनका सडक से ही आना जाना होता है। कई बार ऐसे वाहनों के दुर्घटना ग्रस्त होने से बच्चों का जीवन खतरे में पड चुका है लेकिन न अभिभावक ध्यान देते हैं और न ही स्कूल संचालक जबकि ध्यान देना चाहिए। अंत में उनका कहना रहा कि सरकार वास्तव में ही प्राईवेट स्कूलों में लुट रहे अभिभावकों को राहत प्रदान करना चाहती है तो एक ही आदेश सख्ती से लागू करे कि अगर किसी भी प्राईवेट स्कूल में सरकार के आदेश के अनुरूप बच्चों को सिर्फ एनसीआरटी किताबें ही नहीं पढाई गई तो उस स्कूल संचालक के खिलाफ तो कार्यवाही होगी ही साथ ही स्कूल की मान्यता भी खत्म कर दी जाएगी तथा जिस क्षेत्र में स्कूल होगा उस क्षेत्र के शिक्षा विभाग के अधिकारी के खिलाफ भी सरकार के आदेश का अनुपालन न कराने के लिए कानूनी कार्यवाही की जाएगी। सवाल उठता है कि क्या ऐसा सरकार कर पाएगी?

बढती मंहगाई - जिम्मेदार कौन

भ्रष्टाचार व मंहगाई ने गरीब की तोडी कमर

टांडा/रामपुर (सब का सपना):- हर स्तर पर व्याप्त भ्रष्टाचार की मार तो लोग जैसे भी सहन कर ही रहे हैं लेकिन दिन प्रतिदिन बढती मंहगाई ने आमजन की कमर ही तोड कर रख दी है या फिर यह भी कह सकते हैं कि भ्रष्टाचार रुपी दलदल में धंसा आमजन जहां निकलने के लिए हाथ पैर मारने में जुटा है वहीं बढती मंहगाई हाथ पसार आमजन को अपने दामन से चिपकाने के लिए लालायित प्रतीत होती है और आमजन अपने को बेबस समझने को मजबूर होकर रह गया है। यह बात " सब का सपना " के प्रतिनिधि से एक भेंट में समाजसेवी सतीश शर्मा ने अपने करखेडी स्थित निवास पर व्यक्त करते हुए कहा कि इसके लिए भ्रष्ट नेता तो जिम्मेदार हैं ही साथ ही आमजन भी दोषी है। उनका कहना

रहा कि जाति और धर्म के चक्कर में फंसकर आमजन ऐसे लोगों को जनप्रतिनिधि बनाकर संसद और विधानसभाओं में भेज देते हैं जिनमें से ज्यादातर को अपनी व अपनों की तिजोरियां भरने के अलावा आमजन के सुख दुख से कुछ लेना-देना नहीं है। उनका कहना रहा कि जब कोई भी राजनैतिक दल सत्ता से बाहर होता है तो उसके कर्णधार कहते नहीं थकते कि उनकी सरकार बनने पर व्याप्त भ्रष्टाचार व महंगाई का पूरी तरह से खात्मा कर देंगे लेकिन सत्ता की मलाई हाथ लगी तो भ्रष्टाचार व मंहगाई का खात्मा तो क्या उनकी गलत नितियों के कारण भ्रष्टाचार व मंहगाई की मार में फंसा गरीब मजदूर अपने आपको ठगा हुआ महसूस करता है और कर भी क्या सकता है क्योंकि कम पढे लिखे व छोट बडे अपराध में संलिप्त जनप्रतिनिधियों की बजाय पढे लिखे व कानून को समझने वाले जनप्रतिनिधि संसद व विधानसभाओं में चुनकर पहुंचेंगे तभी तो आमजन हित की बात होगी, अब अनपढ़ों व अपराधी प्रवृत्ति के लोगों की संख्या रही ज्यादा तो उनसे जनहित की उम्मीद रखना तो निराधार ही रहेगी। सवाल तो बनता है कि अन्य के अलावा रोजमर्रा में प्रयोग होने वाली घरेलू चीजों (आलू को छोड़कर) के दाम जिस तरह से उछाल पर होने से महंगाई बढ़ रही है उससे तो यही प्रतीत होता है कि आने वाले समय में खून से मंहगा पानी होगा।

किसानों की मांगों को लेकर पैदल मार्च,दो सप्ताह में कार्रवाई न होने पर बड़े आंदोलन की चेतावनी

बुलन्दशहर (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के बैनर तले किसानों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर अनाज मंडी से कलेक्ट्रेट गेट तक पैदल यात्रा निकाली। यात्रा का नेतृत्व जिला संरक्षक चौधरी कुलदीप गुड्डू व युवा जिला अध्यक्ष शैलेंद्र आर्य ने किया, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष मांगेराम त्यागी ने की।

पैदल मार्च दोपहर 12 बजे अनाज मंडी से शुरू होकर कलेक्ट्रेट गेट तक पहुंचा, जहां किसानों ने प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान अपर जिलाधिकारी भरत राम यादव, सिटी मजिस्ट्रेट व क्षेत्राधिकारी नगर समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। ज्ञापन मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री के नाम जिलाधिकारी को दिया गया।

किसानों की प्रमुख मांगों में ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे के लिए उचित मुआवजा, लिंक मार्गों पर अंडरपास व सर्विस रोड, सर्किल रेट में वृद्धि, अघोषित बिजली कटौती बंद कर 18 घंटे बिजली आपूर्ति, स्मार्ट मीटर हटाने, ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाने और जर्जर लाइनों को बदलने की मांग शामिल रही।

इसके अलावा किसानों ने प्राइवेट स्कूलों में मनमानी फीस व किताबों की बिक्री पर रोक, जिला अस्पताल में कथित लापरवाही व दलाली प्रथा पर कार्रवाई, गेहूं खरीद केंद्रों पर पारदर्शी तौल व्यवस्था, खराब पेयजल की जांच, अवैध खनन व प्रदूषण फैलाने वाली फैक्ट्रियों पर कार्रवाई की भी मांग उठाई।

किसानों ने ह्यराहवीर योजनाह्न को जनपद में तत्काल लागू करने, गैस सिलेंडर की कालाबाजारी रोकने, मंडी में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने और खाद की किल्लत दूर करने की मांग भी रखी। साथ ही विसा कॉलोनी भूड़ को नगर पालिका में शामिल करने की मांग भी प्रमुख रूप से उठाई गई।

सभा को संबोधित करते हुए चौधरी कुलदीप गुड्डू ने कहा कि यदि दो सप्ताह के भीतर मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के बैनर तले जनपद में बड़ा आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष राधेश्याम सिंह, जिला अध्यक्ष लोकेश राघव, जिला प्रवक्ता धर्मवीर सिंह गुड्डू, जिला प्रभारी बिल्लू चौधरी सहित संगठन के कई पदाधिकारी व सैकड़ों किसान, युवा और महिलाएं उपस्थित रहीं।

भाजपा समर्थित व्यापारियों ने मनाई जीत की खुशी

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में भारतीय जनता पार्टी की जीत पर शिकारपुर के व्यापारियों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। सोमवार को नवीन अनाज मंडी में भाजपा समर्थित व्यापारियों ने एकत्र होकर खुशी मनाई और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत का जश्न मनाया। कार्यक्रम में पूर्व जिला महामंत्री संजय चौधरी ने कहा कि यह जीत राष्ट्रवादी विचारधारा और विकास की नीतियों की जीत है।

उन्होंने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि पूरे देश में उनका प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। साथ ही योगी आदित्यनाथ द्वारा पश्चिम बंगाल में की गई चुनावी रैलियों को भी उन्होंने इस जीत का महत्वपूर्ण कारण बताया।इस अवसर पर पुरुषोत्तम शर्मा, कृष्णराज सिंह, राजू शर्मा, ऋषिपाल सिंह, अनिल ठेकेदार, जय सिंह, गजय सिंह, केशव सिंघल, लईक अहमद, राजकुमार शर्मा, मुकेश कुमार, अनेक कौशिक, सरदार करनैल सिंह, प्रभात गर्ग, लवी गर्ग और देवेंद्र शर्मा सहित कई व्यापारी मौजूद रहे।

भाजपा की जीत पर डिबाई में गूंजा विजय का शंखनाद

NDA की ऐतिहासिक जीत पर भाजपा कार्यकताओं में उत्साह की लहर

डिबाई/बुलंदशहर (सब का सपना):- पश्चिम बंगाल, असम एवं तमिलनाडु के विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) की अभूतपूर्व एवं प्रचंड विजय के उपलक्ष में डिबाई स्थित भाजपा कार्यालय में उल्लास, उत्साह और गर्व का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस ऐतिहासिक अवसर पर क्षेत्रीय विधायक चंद्रपाल सिंह लोधी के नेतृत्व में भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने जोरदार आतिशबाजी कर आसमान को रोशन किया तथा मिष्ठान वितरण कर इस जीत को जन-जन की जीत के रूप में मनाया। उत्सव को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि यह प्रचंड जनादेश देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी, निर्णायक और विकासोन्मुखी नेतृत्व में चल रहे राष्ट्रनिर्माण के महाअभियान पर जनता की अटूट आस्था का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि यह विजय केवल चुनावी सफलता नहीं, बल्कि नए भारत के निर्माण की दिशा में जनता की दृढ़ प्रतिबद्धता का उद्घोष है।

उन्होंने आगे कहा कि इन चुनाव परिणामों ने देश की राजनीति को स्पष्ट संदेश दिया है कि जनता अब खोखले वादों, परिवारवाद, अवसरवाद और भ्रामक प्रचार की राजनीति को सिरे से नकार चुकी है। आज का मतदाता जागरूक है और वह केवल विकास, सुशासन, पारदर्शिता एवं स्थिर नेतृत्व को ही अपना समर्थन देता है।

इस अवसर पर भाजपा कार्यकताओं का उत्साह चरम पर दिखाई दिया। भारत माता की जय और मोदी है तो मुमकिन है जैसे नारों से पूरा कार्यालय परिसर गूंज उठा। कार्यकताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की खुशियां बांटी और संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के अंत में विधायक ने सभी विजयी प्रत्याशियों, समर्पित कार्यकताओं एवं समर्थकों को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह विजय जन-जन के विश्वास और परिश्रम का प्रतिफल है, जो आने वाले समय में भारत को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

राष्ट्रीय मानव सेवा संगठन के कार्यकताओं ने एसडीएम स्याना को सोपा ज्ञापन

स्याना/बुलंदशहर (सब का सपना):- राष्ट्रीय मानव सेवा संगठन का एक प्रतिनिधि मंडल संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा राजा मलिक जी के नेतृत्व में जनता के बेसिक मुद्दों को लेकर स्याना एसडीएम कार्यालय पहुंचकर ड्डू10 के ई स्टांप को निर्धारित मूल्य से ज्यादा ड्डू20 व ड्डू30 में बेचे जाने एवं स्याना नगर में बाबूजी कल्याण सिंह पार्क के पास सरकार द्वारा बनाए गए बस स्टैंड से ही बसों का संचालन कराने तथा स्याना नगर का मुख्य बड़े नाले की

कई वर्षों से साफ सफाई न होने के संबंध में उपरोक्त सभी बिन्दुओं को बड़ी गंभीरता से स्याना उप जिलाधिकारी महोदय को अवगत कराया इस मौके पर वसीम खॉन पत्रकार, राष्ट्रीय मुख्य सचिव अम्बरीष त्यागी, महासचिव रेवती प्रसाद गौतम, उपाध्यक्ष अशोक कुमार, सचिव प्रमोद त्यागी ,ब्लॉक अध्यक्ष मूलचंद चौहान ,ऊंचा गांव ब्लॉक अध्यक्ष विनीत कुमार, अभय त्यागी,अनिल त्यागी, शोएब मलिक, सुनील कुमार आदि वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे।

पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में एनडीआरएफ ने सिखाए आपदा प्रबंधन के गुर

डिबाई/बुलंदशहर (सब का सपना):- पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में एनडीआरएफ 8वीं बटालियन गाजियाबाद (शिविर कार्यालय नरौरा) की टीम ने छात्राओं को आपदा से बचाव के तरीके सिखाए। टीम का नेतृत्व इंस्पेक्टर पूजा वर्मा ने किया।

प्रशिक्षण के दौरान छात्राओं को बाढ़, भूकंप, आग लगने तथा सर्पदंश जैसी आपदाओं में बचाव के उपाय बताए गए। साथ ही डूबने की स्थिति में

कृत्रिम श्वसन (CPR) देने का डेमो भी कराया गया। छात्राओं ने भी पूर्व में सीखे गए डेमो प्रस्तुत कर अपनी समझ का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में एनडीआरएफ टीम के हवलदार पुनीत, सतीश, राजेंद्र, कांस्टेबल प्रशांत कुमार, मंडल व शीशराम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। छात्राओं में अलीमा, दिव्या, रहनुमा आदि ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रभारी प्रधानाचार्य अखलेश कुमार ने एनडीआरएफ टीम का स्वागत किया। इस अवसर पर लक्ष्मीकांत, प्रमोद कुमार, वीर प्रताप सिंह, हरेंद्र सिंह, पीयूष कुमार, अजय कुमार, काजल व इकरा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

वर्ल्ड अस्थमा डे 2026- अस्थमा कंट्रोल का स्मार्ट तरीका: इनहेलर से पाएं राहत

बुलंदशहर (सब का सपना):- अस्थमा एक क्रॉनिक बीमारी है, जिसमें सांस की नलियां सूजकर संकरी हो जाती हैं, जिससे सांस लेने में दिक्कत, खांसी और घरघराहट जैसी समस्याएं होती हैं। हालांकि सही इलाज और नियमित देखभाल से इसे अच्छी तरह कंट्रोल किया जा सकता है, जिससे मरीज सामान्य और सक्रिय जीवन जी सकते हैं।

इनहेलर अस्थमा के इलाज का सबसे प्रभावी और सुरक्षित तरीका माना जाता है। मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, नोएडा के इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजी एंड पल्मोनरी इंटेंसिव

केयर विभाग के सीनियर डायरेक्टर डॉ. ज्ञानेंद्र अग्रवाल के अनुसार, इनहेलर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह दवा को सीधे फेफड़ों तक पहुंचाते हैं, जिससे तेजी से राहत मिलती है और कम डोज में बेहतर असर होता है। इससे साइड इफेक्ट्स का खतरा भी कम रहता है। इनहेलर मुख्य रूप से दो प्रकार के होते हैं रिलीवर इनहेलर, जो अटैक के दौरान तुरंत राहत देते हैं, और कंट्रोलर इनहेलर, जिन्हें रोजाना लेने से सूजन कम होती है और अटैक रोके जा सकते हैं। कुछ इनहेलर में दोनों का कॉम्बिनेशन भी होता है।

इनहेलर को लेकर स्टेरॉयड या लत लगने का डर सिर्फ एक मिथक है। सही तकनीक और नियमित उपयोग, साथ ही डॉक्टर की सलाह का पालन, अस्थमा को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने में मदद करता है।

भाजपा गठवंधन की धमाकेदार जीत पर डिबाई में जश्न का माहौल

डिबाई/बुलंदशहर (सब का सपना):- पश्चिम बंगाल की ऐतिहासिक जीत व असम में हैट्रीक एवं पुडुचेरी के विधानसभा चुनावों के नतीजों में भाजपा व ठऊअ की प्रचंड विजय के उपलक्ष्य में डिबाई भाजपा कार्यालय पर भाजपा डिबाई विधायक सीपी लोधी के नेत्रत्व में भाजपा पदाधिकारी व कार्यकताओं के साथ आतिशबाजी व मिष्ठान वितरण कर विजय का उत्सव मनाया तथा कार्यकताओं ने एक दूसरे को शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

ठऊअ की इस प्रचंड जीत में प्रधान

मंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सम्पूर्ण राष्ट्र में हो रहे विकास के महायज्ञ का प्रतिफल है।यह परिणाम स्पष्ट संदेश है कि जनता विकास, सुशासन और स्थिरता से किसी भी तरह का समझौता स्वीकार नहीं करती। वहीं विपक्ष की करारी हार साबित करती है कि अवसरवाद, परिवारवाद, अव्यवस्था और दुष्प्रचार की राजनीति को जनता अब पूरी तरह से नकार चुकी है। डिबाई विधायक सीपी सिंह लोधी ने सभी विजयी प्रत्याशियों,कार्यकताओं और समर्थकों को इस ऐतिहासिक सफलता के लिए बहुत बहुत बधाई एवम शुभकामानाएं दी हैं।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन का स्वागत

बुलन्दशहर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के नवनियुक्त प्रदेश चेयरमैन सोहेल अख़्तर अंसारी के पदभार ग्रहण समारोह में नि. प्रदेश उपाध्यक्ष सैयद मुनीर अकबर अपने साथियों के साथ प्रदेश मुख्यालय पहुंचे और फूल-मालाओं से उनका

स्वागत किया।

इस अवसर पर कार्यकताओं में उत्साह देखने को मिला, जिसे संगठन की एकजुटता और मजबूती का प्रतीक बताया गया। सैयद मुनीर अकबर ने विश्वास जताया कि अंसारी के नेतृत्व में विभाग नई ऊर्जा के साथ कार्य करते हुए संगठन को और सशक्त करेगा तथा समाज के सभी वर्गों की आवाज बुलंद करेगा। कार्यक्रम में वसी अहमद रिजवी, विंसेंट जोयल, एयाज कुरैशी, हकीम जफर महमूद, खालिद हाशमी, वसीम खान, अजमल खान, सैयद अबरार अल्वी, लल्ला बाबू, सद्दाम हुसैन सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दोहरी ड्यूटी की मार, कुरुक्षेत्र में जनगणना के काम में जुटे स्वास्थ्यकर्मी; मलेरिया-डेंगू की रोकथाम पड़ी ठप

कुरुक्षेत्र। एक तरफ स्वास्थ्य विभाग शहर में मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया के बढ़ते खतरे को लेकर अलर्ट जारी कर रहा है, वहीं दूसरी तरफ विभाग कर्मचारियों की कमी से जूझ रहा है। इतना ही नहीं जमीनी स्तर पर काम करने वाले कर्मचारियों की ड्यूटी जनगणना में लगा दी गई है। जिले के एक मात्र मलेरिया टेक्नीशियन यानी डेंगू के टेस्ट लगाने वाले लैब टेक्नीशियन की ड्यूटी भी जनगणना में लगा दी गई है। ऐसे में डेंगू और मलेरिया की जागरूकता व एंटी लारवा एक्टिविटी के साथ ही कर्मचारियों को जनगणना में भी सहभागिता करनी होगी। रविवार को भी स्वास्थ्य कर्मचारियों ने अपने क्षेत्रों में मार्किंग की।इन कर्मियों की लगाई गई ड्यूटियां शहरी क्षेत्र में 18 बहु उद्देश्यीय स्वास्थ्य कर्मियों के पद हुआ करते थे। अब इनके छह पद ही स्वीकृत रह गए हैं, जिनमें से पांच ही तैनात हैं। एक खाली पड़ा है। मगर इन पांचों के पांच की ड्यूटी भी जनगणना में लगा दी गई है। वहीं दो सुपरवाइजर और एक लैब टेक्नीशियन की ड्यूटी भी जनगणना में लगा दी गई है।पुराने शहर के संकरे इलाकों और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में जलभराव और गंदगी के कारण मलेरिया और डेंगू का खतरा सबसे अधिक रहता है। ऐसे समय में जब इन कर्मचारियों को एंटी-लार्वा छिड़काव और फागिंग की निगरानी करनी चाहिए थी, उन्हें इसके साथ ही जनगणना के लिए भी अपनी ताकत झोंकनी पड़ रही है। पुराने शहर में मार्किंग का काम शुरू हेल्थ इंस्पेक्टर प्रद्युमन अब सेवानिवृत्ति के नजदीक हैं। उनकी ड्यूटी सुपरवाइजर में लगाई जानी चाहिए थी लेकिन उन्हें भी गणनाकार लगाया गया है। प्रद्युमन बताते हैं कि पहली बार उनकी ड्यूटी जनगणना में लगी है। वह इस प्रक्रिया को पूरा प्रयास कर रहे हैं। वर्तमान में शहर के पुराने रिहायशी इलाकों में व्यवसायिक प्रापर्टी की मार्किंग का काम वह कर रहे हैं।

हरियाणा में पंचायती राज में उदासीनता, पंचकूला की 22 सीटों पर किसी ने नहीं भरा नामांकन

चंडीगढ़। हरियाणा में सात निकायों के आम चुनाव और छह निकायों में वार्डों के उपचुनाव को लेकर प्रचार अभियान जोर पकड़ गया है। कांटे के मुकाबलों में बड़े नेताओं ने प्रचार की कमान संभाली हुई है। इसी तरह हिसार के ग्राम पंचायत मंडी आदमपुर और जवाहर नगर तथा कैथल के गोविंदपुरा और पोलड़ पंचायत के लिए हो रहे आम चुनाव में प्रत्याशी पसीना बहा रहे हैं। वहीं, पंचायतों में 528 खाली सीटों (पंच, सरपंच, पंचायत समिति और जिला परिषद सदस्य) के लिए उपचुनाव के बावजूद पंचों के 232 पद खाली रह जाएंगे क्योंकि इनके लिए किसी ने आवेदन ही नहीं किया। हालांकि पंच-सरपंचों और पंचायत समिति सदस्यों के 275 पदों पर निर्विरोध चयन हुआ है। अंबाला जिले में सरपंच की दो सीटों पर चुनाव होना है।यहां पंच की 21 सीटों में से 10 पर उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए यहां पंच की 21 सीटों में से 10 पर उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए हैं और 11 सीटों पर नामांकन प्राप्त नही हुआ। भिवानी में सरपंच की तीन सीटों में से दो पर चुनाव होगा, जबकि पंच की 30 सीटों में से 13 पर निर्विरोध चयन हुआ है। एक सीट पर मतदान होगा और 16 सीटों पर नामांकन प्राप्त नही हुआ।चरखी दादरी में पंचायत समिति की एक और पंच के 20 पदों में से आठ पर निर्विरोध निर्वाचन हुआ है, जबकि 12 सीटों पर नामांकन प्राप्त नही हुआ। फरीदाबाद में सरपंच की एक सीट पर मतदान होगा और पंच की पांच में से चार पर उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए हैं। एक सीट पर नामांकन प्राप्त नही हुआ। फतेहाबाद में पंचायत समिति की एक और सरपंच की तीन में से एक सीट पर उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए हैं। सरपंच की दो सीटों पर चुनाव होगा। यहां पंच की 26 सीटों में से 19 पर निर्विरोध चयन हुआ है और सात सीटों पर नामांकन प्राप्त नही हुआ। गुरुग्राम में पंचायत समिति की एक सीट और सरपंच की एक सीट पर मतदान होगा, जबकि पंच की चार सीटों पर निर्विरोध चयन हुआ है। छह सीटों पर नामांकन प्राप्त नही हुआ। हिसार में पंचायत समिति की एक सीट पर निर्विरोध चुनाव हुआ है। सरपंच की दो सीटों पर मतदान होगा। यहां पंच की 64 सीटों में से 39 पर निर्विरोध चयन हुआ है और 19 पर चुनाव होगा, जबकि छह सीटों पर नामांकन प्राप्त नही हुआ। झज्जर में पंचायत समिति की दो सीटों में से एक पर निर्विरोध चयन हुआ झज्जर में पंचायत समिति की दो सीटों में से एक पर निर्विरोध चयन हुआ है और एक पर चुनाव होगा। साथ ही सरपंच की दो सीटों पर भी मतदान होगा। यहां पंच की 20 सीटों में से सात पर निर्विरोध चयन हुआ है और 13 सीटों पर नामांकन प्राप्त नही हुआ। जींद में सरपंच की दो सीटों में से एक पर मतदान होगा और एक सीट खाली है।

पंच की 22 में से 15 सीटों पर निर्विरोध चयन हुआ है और सात सीटों पर नामांकन प्राप्त नही हुआ। कैथल में सरपंच की चार सीटों में से दो पर निर्विरोध चयन हुआ है और दो पर चुनाव होगा। पंच की 50 सीटों में से 34 पर निर्विरोध चयन हुआ है, एक सीट पर चुनाव होगा और 15 सीटों पर नामांकन प्राप्त नही हुआ। करनाल में जिला परिषद की एक सीट पर चुनाव होगा। सरपंच की चार में से तीन सीटों पर मतदान होगा, जबकि एक सरपंच पद के लिए नामांकन नहीं मिला है। पंच की 19 सीटों में से सात पर निर्विरोध चयन हुआ है, एक सीट पर चुनाव होगा और 11 सीटों पर नामांकन प्राप्त नही हुआ।

गुरुग्रामः वेतन बढ़ोतरी के लिए श्रमिकों का प्रदर्शन, अपनी मांगों पर अड़े; छावनी में तब्दील हुआ इलाका

गुरुग्राम। गुरुग्राम के सेक्टर-34 औद्योगिक क्षेत्र में स्थित विजन आरएक्स लैब कंपनी के मुख्य गेट पर वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर श्रमिकों ने प्रदर्शन किया। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन मौके पर पहुंच गया। एसीपी अमित भाटिया ने श्रमिकों को समझाने का प्रयास किया। इस दौरान बादशाहपुर के एसडीएम संजीव सिंगला सहित अन्य पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे।सुरक्षा के मद्देनजर कंपनी के आसपास का इलाका पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया। हालांकि, श्रमिक अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं और प्रदर्शन जारी है।

बहादुरगढ़ में पैसे के विवाद में खूनी संघर्ष, ट्रामा सेंटर में काटा कान, महिला ने लातों से पीटा

बहादुरगढ़। शहर थाना क्षेत्र में दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई। बाद में एक पक्ष के दूसरे पर ट्रामा सेंटर में हमला किया गया। उसका कान काट लिया। महिला ने उसे लातों से पीटा। इसका वीडियो वायरल हो गया है। घटना शनिवार देर रात की है। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर केस दर्ज किए हैं। जांच की जा रही है। पुलिस ने एक केस विशाल की शिकायत पर दर्ज किया है। वह आटो चलाता है और बिहार के मुंगेर जिले के गांव अमारी का रहने वाला है। शिकायत में बताया कि दीपक प्रसाद व नितिन प्रसाद निवासी छोटूराम नगर लोगों को बयाज पर पैसा देने का काम करते हैं और मोटा बयाज वसूलते हैं। उसने भी इनसे एक साल पहले 38 हजार रुपये लिए थे। बदले में 70 हजार रुपये दे चुका है। विशाल के फुफेरे भाई सन्नी ने 40 हजार रुपये लिए थे।बदले में पांच ग्राम सोना गिरवी रखा था। सन्नी उनको 20 हजार रुपये दे चुका है। बकाया पैसा और बयाज देकर सोना वापस लेना चाहा तो उन्होंने मना कर दिया। शनिवार रात विशाल आटो लेकर टीकरी बार्डर की तरफ जा रहा था। मेट्रो स्टेशन पर दीपक व उसकी मां मिली। ट्रामा सेंटर के सामने विशाल पर हमला आरोप है कि उन्होंने रास्ता रोक लिया। पैसे के लिए धमकी देने लगे। फिर मारपीट की। दीपक ने हाथ पर दांतों से काट लिया। फिर चले गए। विशाल सिविल अस्पताल पहुंचा। वहां उसे दीपक, नितिन और उसकी मां मिले। आरोप है कि ट्रामा सेंटर के सामने नितिन ने विशाल पर हमला कर दिया। दांत से उसका कान काट खाया। कान का कुछ टुकड़ा अलग हो गया। उसकी मां ने लातों से विशाल को पीटा। अस्पताल के डाक्टर व स्टाफ ने उसे बचाया। पूरे घटनाक्रम का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो गया। घायल विशाल को रेफर किया गया। दूसरी तरफ महिला साधना निवासी रूहिल रेजिडेंसी ने केस दर्ज कराया है। शिकायत के अनुसार वह अपने पुत्र दीपक के साथ शनिवार रात 9 बजे छोटूराम नगर से जा रही थी। श्रीराम मेट्रो स्टेशन पर आटो चालक विशाल उन्हें देखकर गाली देने लगा। फिर उसने विरोध किया तो विशाल ने आटो से डंडा निकाला। दीपक वहां आया तो दोनों के बीच गाली-गलौच हो गई। विशाल ने दोनों को डंडा मारा। आसपास मौजूद लोगों ने छुड़वाया। दीपक बचने के लिए आटो में बैठा तो विशाल आटो लेकर ढाबे पर चला गया। महिला भी वहां पहुंची। फिर उन्होंने पुलिस बुला ली। आरोप है कि विशाल ने दीपक का फोन तोड़ डाला और जेब से चार हजार रुपये निकाल लिए। इधर, पुलिस पहुंची और मां-बेटे को अस्पताल लेकर आई। महिला ने बताया कि उन्होंने विशाल के खिलाफ पहले सेक्टर-6 थाने में शिकायत दे रखी है।

राखीगढ़ी में हड़प्पाकालीन सोने का लॉकेट और मनके बरामद, प्राचीन शिल्प कौशल का रहस्य उजागर

नारनौंद/हांसी। राखीगढ़ी में जारी उत्खनन के दौरान सोने का लाकेट, बड़ी संख्या में सोने के मनके और चर्ट पत्थर से बने बाट प्राप्त हुए हैं। ये अवशेष हड़प्पाकाल में आभूषण निर्माण, धातु उपयोग व व्यापारिक व्यवस्था के विकसित होने के प्रमाण के रूप में देखे जा रहे हैं। उत्खनन में पहली बार इस प्रकार का लाकेट मिला है, जिसे कीमती पत्थर पर सोने की परत चढ़ाकर तैयार किया गया है। टीला नंबर दो और पांच से मिले मनकों और लाकेट से यह माना जा रहा है कि सोने का उपयोग सीमित नहीं था। खुदाई में रोहरी चर्ट से बने बाट भी मिले हैं, जो वर्तमान पाकिस्तान क्षेत्र में पाए जाते हैं।इससे यह माना जा रहा है कि उस समय दूरस्थ क्षेत्रों के साथ व्यापारिक संपर्क थे और वस्तुओं के लेन-देन के लिए मानकीकृत तोल प्रणाली प्रचलन में थी। जब बाट का उपयोग होता था तो तराजू भी प्रचलन में रहा होगा, हालांकि इसके अवशेष अभी नहीं मिले हैं। टीलों से मिले साक्ष्य यह भी दशार्ते हैं कि यहां आभूषण निर्माण का कार्य किया जाता था।भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की उत्खनन शाखा के अधीक्षक पुरातत्वविद मनोज सक्सेना के अनुसार उत्खनन में सोने का लाकेट और करीब 12 मनके मिले हैं। साथ ही सोना तोलने के लिए चर्ट के बाट भी प्राप्त हुए हैं। इनकी गुणवत्ता जांच के लिए नमूने प्रयोगशाला में भेजे जाएंगे और कुछ नमूने विदेश भी भेजने की तैयारी है। हड़प्पा सभ्यता विश्व की प्राचीन शहरी सभ्यताओं में प्रमुख मानी जाती है, जो सिंधु घाटी क्षेत्र में विकसित हुई थी। इसे तीन कालखंडों में बांटा जाता है। प्रारंभिक हड़प्पा काल (लगभग 3300 ईसा पूर्व से 2600 ईसा पूर्व), परिपक्व हड़प्पा काल (लगभग 2600 ईसा पूर्व से 1900 ईसा पूर्व) और उत्तर हड़प्पा काल (लगभग 1900 ईसा पूर्व से 1300 ईसा पूर्व)। परिपक्व काल में नगर योजना, जल निकासी प्रणाली, का उच्च स्तर दिखता है।

एक साल बाद भी खाली पड़ी पटरी, हिसार-चंडीगढ़ ट्रेन के सफर में यात्री नदारद; रायपुर स्टेशन पर पसरा सन्नाटा

हिसार। हिसार के रायपुर रेलवे स्टेशन से चंडीगढ़ के लिए शुरू की गई ट्रेन को करीब एक साल पूरा हो गया है, लेकिन अब तक इस ट्रेन का अपेक्षित लाभ यात्रियों को नहीं मिल पाया है। इस ट्रेन में आज भी उतने ही यात्री सफर कर रहे हैं, जितने शुरूआत में करते थे। वर्तमान में भी इस ट्रेन में एक बार में महज 20 से 25 यात्री ही इस सफर कर रहे हैं। यह ट्रेन दो मई 2025 में बड़े जोर-शोर के साथ शुरू की गई थी। उस समय विधायक सावित्री जिंदल ने हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना किया था।हिसारवासियों की वर्षो पुरानी मांग पूरी होने पर उम्मीद जताई जा रही थी कि इससे हिसार और आसपास के लोगों को चंडीगढ़ आने-जाने में सुविधा मिलेगी, लेकिन यात्रियों की संख्या अपेक्षा के अनुरूप नहीं बढ़ सकी। यात्रियों का कहना है कि ट्रेन का समय रात करीब 2:30 बजे होने के कारण लोगों को काफी परेशानी होती है।चंडीगढ़ ट्रेन को रायपुर स्टेशन से चलाया जा रहा है, जो यात्रियों की कम संख्या का एक प्रमुख कारण है। हिसार बस स्टैंड से रायपुर रेलवे स्टेशन करीब 10 किलोमीटर दूर बीएसएफ कैंप के पास स्थित है। शहर से स्टेशन तक सफर करने में करीब आधा घंटा लग जाता है। वहीं रायपुर स्टेशन तक जाने वाला रास्ता सुनसान होने के कारण भी लोग इस ट्रेन का कम उपयोग कर रहे हैं। देर रात सुनसान रास्ते पर वारदात होने का डर बना रहता है, क्योंकि इस एरिया में पहले भी रात के समय कई आपराधिक मामले सामने आ चुके है। जिसके चलते यात्री इस ट्रेन से सफर करने से कतराते हैं। ट्रेन को हिसार रेलवे स्टेशन से चलाने की मांग हिसार रेल वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष आकाश ने बताया कि एसोसिएशन की ओर से इस ट्रेन को रायपुर की बजाय हिसार रेलवे स्टेशन से संचालित करने की मांग रेलवे अधिकारियों से की गई है। क्योंकि शहर के बीच स्थित होने के कारण वहां 24 घंटे यात्रियों की आवाजाही रहती है और सुरक्षा की दृष्टि से भी यह अधिक सुविधाजनक रहेगा, साथ ही ट्रेन में यात्रियों की संख्या में इजाफा होगा। यह है ट्रेन का शेड्यूल यह ट्रेन रायपुर हिसार से रात 2:25 बजे रवाना होती है। यह आगे बरवाला (2:43 बजे), उकलाना (2:58 बजे), जाखल (3:40-3:50 बजे), नरवाना (4:20-4:35 बजे), कैथल (5:00 बजे), कुरुक्षेत्र (5:45-6:00 बजे), अम्बाला (7:20-7:30 बजे), चंडीगढ़ (8:55-9:03 बजे), मोहाली (9:16 बजे), रोपड़ (10:26 बजे), नंगल डैम (11:35 बजे), ऊना हिमाचल (11:58 बजे) होते हुए दोपहर 12:40 बजे अंब अंदौरा पहुंचती है।

पानीपत में आग का तांडव, टेक्सटाइल मिल में लगी भीषण आग; 52 दमकल गाड़ियों ने पाया काबू

पानीपत। शहर में रिसालू रोड स्थित लक्ष्य टेक्सटाइल मिल में रविवार देर रात भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं, लेकिन आग की भयावहता को देखते हुए सोनीपत, करनाल, समालखा, एनएफएल और रिफाइनरी से भी दमकल की गाड़ियां मंगानी पड़ीं। प्रत्यक्षदर्शियों और मिल प्रबंधन ने बताया कि रात को खराब मौसम के चलते बिजली आ जा रही थी, जिससे शार्ट सर्किट होने के बाद आग लग गई। फैक्ट्री में धागा और कच्चा माल होने के कारण आग तेजी से फैल गई।फायरमैन अमित गोस्वामी ने बताया कि आग रात करीब ढाई बजे लगी थी, जिस पर सुबह साढ़े 9 बजे तक काबू पाया जा सका।

इस दौरान कुल 52 से अधिक दमकल गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का कार्य किया।आग के चलते एक मंजिला फैक्ट्री के ऊपर बना भवन भी गिर गया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

हिसार में 'ग्रीन' ट्रांसपोर्ट की नई उड़ान, तीन एकड़ में बनेगा आधुनिक इलेक्ट्रिक बस स्टैंड

हिसार। हिसार बस डिपो में इलेक्ट्रिक बसों के लिए अलग स्टैंड बनाने की दिशा में काम शुरू हो गया है। इसके तहत करीब 3.09 एकड़ भूमि पर उगी झाड़ियों को जेसीबी व अन्य मशीनें मंगवाकर हटाया जा रहा है और निर्माण कार्य की औपचारिक शुरूआत कर दी गई है। नया बस स्टैंड आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा, जिससे यात्रियों को बेहतर और सुगम परिवहन सुविधा मिल सकेगी। डिपो में पहले ही पांच इलेक्ट्रिक बसें लाई जा चुकी हैं, जबकि पांच और बसें जल्द शामिल की जाएंगी। यह बस स्टैंड करीब 14 करोड़ रुपये की लागत में तैयार किया जाएगा। यह पहल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है, जिससे प्रदूषण कम करने में मदद मिलेगी। अधिकारियों का कहना है कि परियोजना पूरी होने के बाद शहर में इलेक्ट्रिक बस सेवा को और मजबूती मिलेगी।फिलहाल चलाई जा रही पांच बसों को आजाद नगर रूट व तोशाम रोड पर आधार अस्पताल तक चलाया जा रहा है। हिसार में 50 बसें लाने की योजना है। नया इलेक्ट्रिक स्टैंड बनाए जाने पर यहां कुल 10 इलेक्ट्रिक चार्जर स्थापित किए जाएंगे। जिनसे बसों को चार्ज किया जाएगा। इन बसों को विभिन्न रूटों पर चलाया जाएगा।

हरियाणा का 590 करोड़ का घोटाला, CFO अमित देवन बर्खास्त; सरकार ने CBI को सौंपी जांच

पंचकूला। हरियाणा सरकार के विभिन्न सरकारी विभागों के 590 करोड रुपए के बैंक घोटाले में एक और सरकारी अधिकारी पर गाज गिर गई है। हरियाणा के पावर यूटिलिटी सेक्टर में एक बड़े प्रशासनिक फैसले के तहत मुख्य वित्तीय अधिकारी (CFO) अमित देवन को तत्काल प्रभाव से सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी आदेश में उन पर अपने पद का दुरुपयोग कर आरोपियों और बैंक अधिकारियों से सांठगांठ कर निगम (HPGCL) के हितों को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। मामले की जांच पहले राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा की जा रही थी, जिसे अब हरियाणा सरकार ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) को सौंप दिया है। आदेश में कहा गया है कि समानांतर विभागीय जांच चलाने से सीबीआई जांच प्रभावित हो सकती है और सबूतों के समय से पहले उजागर होने या उनके साथ छेड़छाड़ की आशंका बनी रहती है।आदेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि वरिष्ठ अधिकारी होने के नाते अमित देवन पर उच्च नैतिक और प्रशासनिक जिम्मेदारियां थीं, लेकिन उन्होंने गंभीर कदाचार किया, जिससे राज्य सरकार और पावर यूटिलिटीज की छवि को नुकसान पहुंचा है।प्रबंधन ने यह भी आशंका जताई कि अधिकारी अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर रिकॉर्ड में बदलाव या उन्हें नष्ट कर सकते हैं, साथ ही अधीनस्थ कर्मचारियों के लिए उनके खिलाफ खुलकर गवाही देना भी मुश्किल हो सकता है। इन परिस्थितियों में निष्पक्ष विभागीय जांच कर पाना संभव नहीं माना गया। इसी आधार पर उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम कर्मचारी (दंड एवं अपील) विनियम, 2018 के प्रावधानों के तहत विभागीय जांच की प्रक्रिया को दरकिनार करते हुए सीधे बर्खास्तगी की कार्रवाई की गई है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी अधिकारी को अपना पक्ष रखने का अवसर देना भी व्यावहारिक नहीं समझा गया। प्रबंध निदेशक द्वारा जारी आदेश के अनुसार, अमित देवन की सेवा तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी गई है।

फरीदाबादः बेटे के सामने हुई बेइज्जती... जूता व्यापारी ने फांसी लगाकर दी जान; सुसाइड नोट में बयां किया दर्द

बल्लभगढ़ (फरीदाबाद)। फरीदाबाद में बल्लभगढ़ के मुख्य बाजार में एक जूता व्यापारी रविंदर मित्तल ने रविवार शाम को अपने घर की तीसरी मंजिल पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या से पहले व्यापारी ने एक सुसाइड नोट लिखा, जिसमें उसने एक पड़ोसी दुकानदार पर बेइज्जत करने का आरोप लगाया है। बताया जा रहा है कि शनिवार रात को रविंदर मित्तल अपने बेटे पियूष संग जागरण में जा रहे थे। तभी रस्ते में आरोपी प्रवीण बंसल ने रविंदर का गिरेबान पकड़ किया और अपने उधार पैसे मांगने लगा। इस बात से वह आहत था। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी प्रवीण बंसल की बाजार में ही गारमेंट की दुकान है।

यमुनानगर में आंधी-बारिश का कहर, आम की 40% फसल बर्बाद, मंडियों में भीगा खुला पड़ा गेहूं

यमुनानगर। जिले में रविवार और सोमवार की दरम्यानी रात मौसम के बदले मिजाज ने व्यापक तबाही मचाई है। 50 किमी/घंटा की रफ्तार के झोकों के साथ धूलभरी आंधी और बारिश ने जहां आम बागवानों की सालभर की मेहनत को मिट्टी में मिला दिया, वहीं अनाज मंडियों में खुले में पड़ा गेहूं भी कुदरत की मार से नहीं बच पाया। इस बेमौसम बदलाव ने न केवल कृषि और इंफ्रास्ट्रक्चर को चोट पहुंचाई है, बल्कि इंसानी सेहत और मवेशियों पर भी ठंडा-गर्म का दोहरा प्रहार किया है। अधिकतम तापमान 31 और न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस तक प हुंच गया। आंशिक रूप से बादल छाए हुए हैं और हल्की बूंदाबांदी की संभावना अभी भी बनी हुई है। हालांकि आने वाले दिनों में गर्मी फिर से जोर पकड़ेगी और तापमान 35 डिग्री सेल्सियस पार करने के आसार हैं। बागवानी पर प्रहारः 5600 हेक्टेयर में नुकसान यमुनानगर के प्रमुख बागवानी बेल्ट छछरौली और खिजराबाद में आंधी ने ऐसा तांडव मचाया कि पेड़ों से कच्चे आम कालीन की तरह जमीन पर बिछ गए। जिले में करीब 5600 हेक्टेयर में आम की खेती होती है।खानपुर निवासी बागवान पिंटू राणा और आनंद चौधरी के अनुसार इस बार फसल पहले बीमारी और फिर पिछले तूफानों से कमजोर थी। ताजा आंधी ने 40 प्रतिशत तक फल झड़ा दिए हैं। फल अभी कच्चे हैं, जिसके कारण न तो इनका अचार बनाने लायक भाव मिल रहा है और न ही कोई खरीदार। इंफ्रास्ट्रक्चरः 40 पोल धराशायी, पेयजल का संकट तेज हवाओं ने बिजली निगम के बुनियादी ढांचे को हिलाकर रख दिया है। जिले में 40 से अधिक बिजली के पोल टूट गए और कई भारी-भरकम ट्रांसफार्मर जमीन पर आ गिरे। मरम्मत कार्य के चलते घंटों बिजली गुल रही, जिससे सरकारी नलकूप ठप रहे और लोगों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ा। हालांकि, एसी और कूलर बंद होने से बिजली की खपत 60 लाख यूनिट से घटकर 50 लाख यूनिट पर आ गई है। सेहत पर भारी ठंडा-गर्मः ड. लोकेश गर्ग फिजिशियन डॉ. लोकेश गर्ग का कहना है कि तापमान में अचानक 10 डिग्री की गिरावट शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को चुनौती देती है। हवा में नमी बढ़ने से वायरस सक्रिय हो जाते हैं, जिससे सर्दी-खांसी और वायरल बुखार के मरीज बढ़ रहे हैं। डॉ. गर्ग ने सलाह दी है कि लोग गर्मी समझकर एकदम ठंडा पानी न पिएं, यह गले के गंभीर संक्रमण का कारण बन सकता है। बच्चों और बुजुर्गों को रात के समय कूलर की सीधी हवा से बचाएं। बारिश के बाद अब उमस बढ़ जाती है। यह स्थिति अस्थमा और त्वचा रोगों के मरीजों के लिए घातक है। पसीने से शरीर में पानी की कमी हो सकती है, इसलिए पर्याप्त तरल पदार्थ लें। पशुपालक बरतें सावधानी पशु विशेषज्ञों के अनुसार तापमान के उतार-चढ़ाव से पशु तनाव में आ जाते हैं, जिससे दूध उत्पादन गिर सकता है।

बारिश में भीगने से छोटे कटड़े-बछड़ों में निमोनिया का खतरा बढ़ जाता है। पशुपालक भीगा हुआ सूखा चारा (तूड़ी) खिलाने से बचें, क्योंकि इससे पेट फूलने (अफारा) की बीमारी हो सकती है। पशुओं को शेड के नीचे रखें। 05-06 मई में आसमान साफ, तेज धूप निकलेगी। छह व सात को तीखी लू और शुष्क गर्मी की संभावना। बारिश गन्ना और चारे के लिए संजीवनी है, लेकिन आम के लिए आफत। किसान मंडी में अपनी उपज को तिरपाल से ढंकना सुनिश्चित करें। अगले 48 घंटों तक फसलों पर कीटनाशक का छिड़काव न करें। डा. आदित्य डबास, डिप्टी डायरेक्टर कृषि विभाग यमुनानगर

आयुष्मान खुराना ने केरल में शुरू की थ्रिलर फिल्म की शूटिंग?

कॉमेडी फिल्मों के बाद अब आयुष्मान खुराना गंभीर भूमिका में वापसी कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन 'काला पानी' फेम समीर सक्सेना कर रहे हैं। फिल्म यश राज फिल्म्स और पोशम पा पिक्चर्स द्वारा बनाई जा रही है।

कब शुरू हुई फिल्म की शूटिंग

आयुष्मान की इस फिल्म की शूटिंग अप्रैल की शुरुआत में चुपचाप शुरू हो गई थी। पूरी शूटिंग मई के अंत तक खत्म होने की उम्मीद है। अभी फिल्म का नाम तय नहीं हुआ है। कहानी को गुप्त रखा गया है, लेकिन कथित तौर पर इस फिल्म में आयुष्मान एक आम आदमी की भूमिका निभा रहे हैं, जो अचानक एक खतरनाक और मुश्किल स्थिति में फंस जाता है। इस फिल्म में ज्यादातर सहायक कलाकार नए या कम जाने-माने हैं, जिससे कहानी ज्यादा यथार्थवादी लगेगी।

यश राज के साथ तीसरी फिल्म

यह आयुष्मान खुराना की यश राज फिल्म्स के साथ तीसरी फिल्म है। पहले वे 'दम लगा के हैशा' और 'मेरी प्यारी बिंदू' में काम कर चुके हैं। पोशम पा पिक्चर्स के लिए भी यह थिएटर रिलीज की पहली फिल्म है। पहले उन्होंने नेटफ्लिक्स पर 'मामला लीगल है' और 'होम शांति' जैसी फिल्में बनाई हैं।

आयुष्मान की आने वाली फिल्में

आयुष्मान खुराना इस साल काफी व्यस्त रहने वाले हैं। उनकी 'पति पत्नी और वो दो', 'उड़ता तीर' (सारा अली खान के साथ) और सूरज बड़जात्या की फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' भी रिलीज होने वाली हैं। यह तीनों ही फिल्में इस साल 2026 या फिर अगले साल 2027 में रिलीज होंगी।

अहमद खान की अनटाइटल्ड जॉम्बी एंटरटेनर में हुई शनाया कपूर की एंट्री

निर्देशक अहमद खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म के बाद अहमद एक जॉम्बी कॉमेडी फिल्म पर काम करेंगे। इस फिल्म में टाइगर श्रॉफ लीड हीरो के रोल में नजर आएंगे और उनके अपोजिट इस बॉलीवुड अभिनेत्री की एंट्री हो चुकी है।

कौन होगी इस फिल्म में टाइगर की हीरोइन

इस जॉम्बी कॉमेडी फिल्म का निर्देशन अहमद खान करेंगे। फिल्म के निर्माता फिरोज नाडियाडवाला है। टाइगर श्रॉफ इस प्रोजेक्ट से जुड़ चुके हैं। अब मुख्य अभिनेत्री के तौर पर शनाया कपूर का नाम सामने आया है। हालांकि, फिल्म को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। फिल्म की बाकी डिटेल्स को अभी गुप्त रखा गया है।

शनाया कपूर ने अपने करियर की शुरुआत फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' से की थी। उसके बाद उन्होंने आदर्श गौरव के साथ सर्वाइवल थ्रिलर फिल्म 'तू या मैं' की है, जिसमें उनकी एक्टिंग की काफी तारीफ हुई। अब वह अपने आगामी प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं। वहीं, टाइगर श्रॉफ अभी फिल्म 'लग जा गले' की शूटिंग कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ जान्हवी कपूर और लक्ष्य मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म धर्मा प्रोडक्शन्स के बैनर तले बन रही है।

अहमद खान की फिल्म 'वेलकम टू द जंगल'

अहमद खान निर्देशित फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में 30 से ज्यादा बड़े कलाकार काम कर रहे हैं। इसमें अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ, रवीना टंडन, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडीज, अरशद वारसी, परेश रावल, राजपाल यादव, जॉनी लीवर और कई कलाकाल शामिल हैं। अहमद खान ने बताया कि इतनी बड़ी कास्ट को एक साथ मैनेज करना बहुत मुश्किल था। अभिनेताओं की डेट्स, बजट और बाकी जरूरतों को संभालना आसान नहीं रहा। फिर भी उन्होंने यह फिल्म पूरी की।

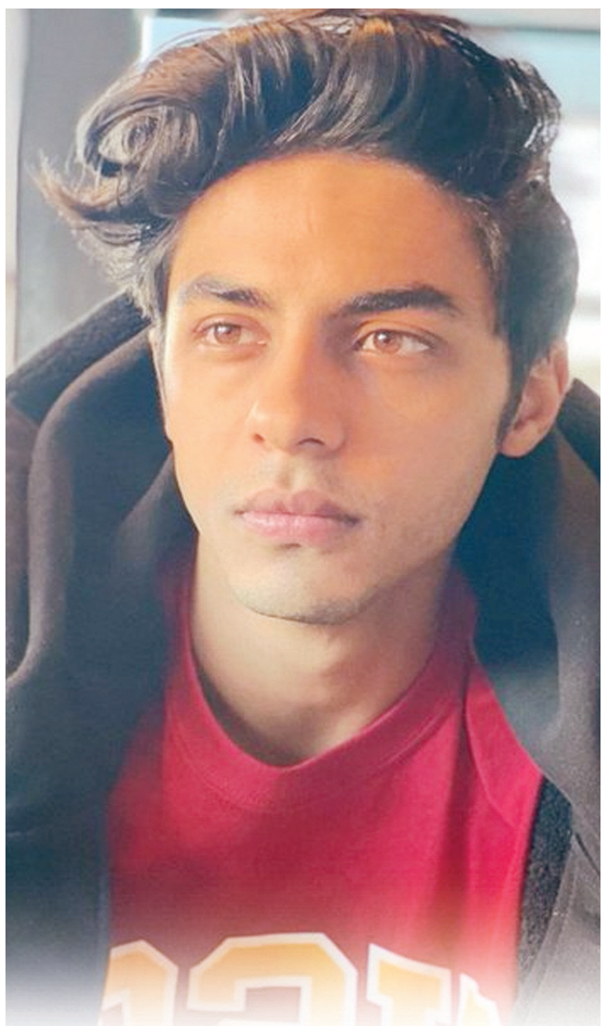

क्या साथ काम करेंगे अहान और आर्यन?

अहान पांडे ने फिल्म 'सैयारा' से बॉलीवुड में बतौर अभिनेता डेब्यू किया। वहीं शाहरुख के बेटे और निर्देशक आर्यन खान ने 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' से निर्देशन में कदम रखा। क्या आर्यन खान की आने वाली किसी फिल्म में अहान पांडे काम कर सकते हैं?

अहान पांडे और शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान, दोनों ने साल 2025 में मनोरंजन की दुनिया में कदम रखा। जहां अहान ने फिल्म 'सैयारा' से बतौर अभिनेता अपना धमाकेदार डेब्यू किया। वहीं आर्यन ने नेटफ्लिक्स सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के जरिए निर्देशन में सफलता हासिल की। तो क्या अब दोनों एक साथ काम करेंगे?

बचपन की यादें और गहरा रिश्ता

हाल ही में एक इंटरव्यू में अहान ने आर्यन के साथ अपने खास रिश्ते के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि वे बचपन के दोस्त हैं। अहान ने एक मजेदार किस्सा भी शेयर किया। दरअसल, आर्यन स्कूल से सीधे अहान के घर आ जाते थे। वह अपने माता-पिता (शाहरुख और गौरी खान) से मिलने से पहले अहान के घर वक्त बिताते थे। हालात, ऐसी थी कि खुद शाहरुख खान अहान को फोन करके पूछते थे कि आर्यन घर क्यों नहीं आए? जब अहान से पूछा गया कि क्या वह भविष्य में आर्यन के निर्देशन में काम करेंगे, तो उन्होंने कहा, 'वे दोनों एक बेहतरीन निर्देशक-अभिनेता की जोड़ी बन सकते हैं। अहान का मानना है कि उनके बीच एक 'वास्तविक बंधन' है, इसलिए साथ काम करना काम जैसा नहीं लगेगा। बचपन की दोस्ती की वजह से दोनों एक-दूसरे को बहुत अच्छी तरह समझते हैं।

अहान के प्रोजेक्ट्स

अपनी पहली फिल्म 'सैयारा' की बड़ी सफलता के बाद, अहान के पास कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं। 'सैयारा' के बाद अहान पांडे एक बार फिर से मोहित सूरी की अगली फिल्म में काम करेंगे। इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म में अहान के साथ अनीत पड्डा नजर आएंगी। इसे यशराज फिल्म्स बना रहा है। इसके अलावा अहान निर्देशक अली अब्बास जफर के साथ भी एक फिल्म में काम कर रहे हैं। यह एक एक्शन-रोमांस ड्रामा फिल्म होगी।

सुपर कॉप के रोल में फिर तबाही मचाएंगे रणदीप हुड्डा

रणदीप हुड्डा स्टारर सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' का पहला सीजन 2023 में आया था। इसके बाद से ही फैंस इसके दूसरे पार्ट का इंतजार कर रहे थे। अब मेकर्स ने इसके दूसरे सीजन का टीजर रिलीज कर फैंस की धड़कनें और बढ़ा दी हैं।

क्या है टीजर में खास

टीजर में रणदीप हुड्डा दबंग इंस्पेक्टर के रूप में नजर आ रहे हैं। कुछ सीन में वे बहरूपिया भी बनते दिखाई दिए हैं। टीजर में काफी दमदार डायलोग्स बताए गए हैं। इनमें से एक है जिसमें रणदीप हुड्डा कहते हैं- 'जिंदगी और मृत्यु के बीच सिर्फ हमारी एक उंगली का फर्क है।' वहीं टीजर में कुछ इंटेंस सीन भी नजर आए हैं, जिनमें एक्टर दमदार एक्शन सीन करते नजर आए हैं। वीडियो के कैप्शन में लिखा- 'यूपी का महाकाल, इंस्पेक्टर अविनाश वापस आ रहे हैं। और इस बार होगा असली तांडव।'

कब रिलीज होगी सीरीज

सीरीज में रणदीप के अलावा उर्वशी रौतेला, रजनीश दुग्गल, अमित सियाल, सरगम सिंह, शालीन भनोट अहम किरदार में नजर आएंगे। सीरीज का निर्देशन नीरज पाठक कर रहे हैं। फिलहाल मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट का खुलासा नहीं किया है। सीरीज पिछले पार्ट से ज्यादा एक्शन पैक और इंटेंस बताई जा रही है। मेकर्स ने सीरीज के दूसरे सीजन 'इंस्पेक्टर अविनाश' का टीजर रिलीज कर दिया है। ये सीरीज हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

बंद होगा एकता कपूर का 'नागिन 7'

टीवी की क्वीन कही जाने वाली निर्माता एकता कपूर ने अपने हिट सुपरनेचुरल शो नागिन 7 को लेकर एक अहम अपडेट साझा किया है। उन्होंने पुष्टि की है कि मौजूदा सीजन जल्द ही समाप्त होने वाला है और अगले साल इसे फिर से शुरू करने की योजना है। एकता कपूर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज में शो के भविष्य को लेकर चल रही अटकलों पर बात करते हुए स्पष्ट किया कि सीजन को समाप्त करने का फैसला आंशिक रूप से शेड्यूलिंग की वजह से लिया गया है। उन्होंने कहा, 'नागिन को लेकर कुछ अपडेट देने आई हूं। दोस्तों, मैंने कल एक पोस्ट किया था और मुझे एहसास नहीं था कि हम अचानक शो खत्म करने वाले हैं। लेकिन हां, चैनल के अनुरोध के कारण हमें अप्रैल में शो खत्म करना था। अब हम इसे मेरे जन्मदिन पर खत्म कर रहे हैं। नागिन के किसी भी सीजन की ऐसी योजना नहीं थी। यह सिर्फ 30 एपिसोड का होना था। लेकिन हमने इसे 48 एपिसोड तक बढ़ा दिया और फिर हम अगले साल वापस आएंगे।'

एकता ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक और वीडियो भी साझा किया। इसमें उन्होंने छोटे सीजन बनाने के अपने फैसले के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा, 'नागिन को हर साल प्रसारित करने के लिए हमें छोटे सीजन बनाने चाहिए ताकि मुझे अपना सारा समय न देना पड़े और मैं बाकी कामों पर ध्यान दे सकूं। 'नागिन 7' का फिनाले एपिसोड अब 7 जून को टेलीकास्ट होगा। मौजूदा सीजन में प्रियंका चाहर चौधरी मुख्य भूमिका में हैं।

सारा अर्जुन की लगी लॉटरी

'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' में यलीना के रोल से छाईं सारा अर्जुन अब मधुबाला बनेंगी। खबर है कि उन्हें मधुबाला की बायोपिक के लिए साइन किया गया है। नाम कन्फर्म है और एक्ट्रेस ने तैयारी भी शुरू कर दी है। हालांकि, अभी आधिकारिक ऐलान बाकी है।

हिंदी सिनेमा की सबसे खूबसूरत एक्ट्रेस मानी जाने वालीं मधुबाला की बायोपिक की चर्चा कई साल से हो रही है। इसके लिए कई एक्ट्रेसेस के नाम सामने आए, पर किसी पर भी मुहर नहीं लगी। अब इसके लिए 'धुरंधर' की यलीना यानी सारा अर्जुन का नाम कन्फर्म बताया जा रहा है। यानी उनकी लॉटरी लग गई है। कहा जा रहा है कि वह मधुबाला पर बन रही बायोपिक में उनका किरदार निभाएंगी। उनका नाम मधुबाला की बायोपिक के लिए कन्फर्म है। इस बायोपिक को जसमीत के रीन डायरेक्ट करेंगी, जबकि संजय लीला भंसाली प्रोड्यूसर हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, मधुबाला की बायोपिक की शूटिंग जुलाई 2026 से शुरू होगी। 'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' के बाद इसे सारा अर्जुन के करियर की अहम फिल्म माना जा रहा है, जो उनके करियर को एक नई दिशा देगी। सारा अर्जुन वैसे तो बचपन से फिल्मों में काम कर रही हैं, पर 'धुरंधर' ने उन्हें रातोंरात जबरदस्त स्टारडम दिलाया है।

इस कारण मधुबाला की बायोपिक में हुई देरी

मधुबाला की बायोपिक की बात करें, तो यह कई साल से अटकी हुई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, बजट की कमी के कारण इसे कई बार देरी का सामना करना पड़ा, लेकिन बाद में यह ट्रैक पर लौट आई। अहम मोड़ तब आया जब संजय लीला भंसाली बतौर प्रोड्यूसर मधुबाला की बायोपिक से जुड़े। वहीं जसमीत के रीन डायरेक्टर हैं, जिन्होंने विजय वर्मा और आलिया भट्ट स्टारर 'डार्लिंग्स' डायरेक्ट की थी।

सारा ने शुरू की तैयारी

बताया जा रहा है कि सारा अर्जुन ने मधुबाला की खूबसूरती, गरिमा और पर्दे पर उनकी उपस्थिति को हूबहू उतारने के लिए जोरदार तैयारी शुरू कर दी है। अब दिलीप कुमार और किशोर कुमार के किरदारों के लिए कास्टिंग चल रही है, जिनका मधुबाला की निजी जिंदगी में अहम रोल रहा।

इन एक्ट्रेसेस के नामों की थी चर्चा

मालूम हो कि मधुबाला के किरदार के लिए पहले कियारा आडवाणी से बातचीत चल रही थी, पर बात नहीं बन पाई और फिर सारा अर्जुन को साइन किया गया। इससे पहले मधुबाला के किरदार के लिए साई पल्लवी और अनीत पड्डा का नाम भी सामने आया, पर वो महज अफवाह निकली। मधुबाला की बायोपिक में उनके करियर और निजी जिंदगी के कई अहम पहलुओं को दिखाया जाएगा। उन पलों को भी दर्शकों को देखने का मौका मिला, जिनसे वो अछूते हैं।

मनीष मल्होत्रा भी बनाने वाले थे मधुबाला पर बायोपिक

मधुबाला पर बायोपिक बनाने के लिए फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा का भी नाम सामने आया था, पर दिवंगत एक्ट्रेस की बहन मधुर भूषण ने 2022 में कह दिया था कि मधुबाला की जिंदगी पर फिल्म सिर्फ वो और उनकी टीम ही बनाएगी, बाकी कोई और नहीं बनाएगा।

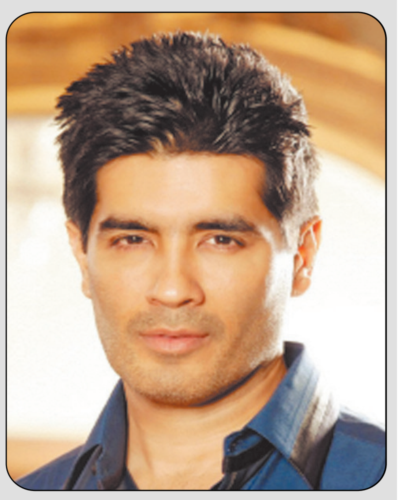

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।